केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 327 शुक्रवार 21 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

योग दिवस पर सत्यवान सिंह स्टेडियम में होगा आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिलाधिकारी अंद्रा वामसी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून के आयोजन की कार्ययोजना सम्पन्न हुयी। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन जनपद मुख्यालय पर अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम में प्रातः 6 से 8 बजे तक किया जायेगा। उन्होने संबंधित विभागीय अधिकारी को अपने–अपने दायित्वों को कुशलतापूर्वक निर्वहन करने हेतु निर्देशित किया है। बैठक में सभी जनपद स्तरीय अधिकारी एवं आयुष विभाग के अधिकारी उपस्थित रहें।

विश्व संगीत दिवस पर दिया योग का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विश्व संगीत दिवस एवं विश्व योग दिवस की पूर्व संध्या पर पं0 ज्वाला प्रसाद संगीत सेवा संस्थान में संगीत/योग का कार्यक्रम बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। संगीत शिक्षक राजेश आर्य, शिक्षिका कु0 ज्योति ने कहा कि 21 जून को पूरी दुनिया में विश्व संगीत दिवस मनाया जाता है। इसकी शुरूआत 1982 से फ्रांस में शुरू हुई थी जिसे फेटे–डी–ला म्यूजिक के नाम से भी जाना जाता है।
प्रबंधक विनोद कुमार उपाध्याय, सचिव संतोष श्रीवास्तव ने कहा कि 21 जून को संगीत उत्सव एवं योग दिवस दोनों का आनन्द लोग उठाते हैं। अगर शरीर और मन दोनो स्वस्थ है तभी व्यक्ति कुछ कर सकता है।
कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से हुआ। इसके बाद राग भूपाली, को अंशिका, अर्पणा,स्वरीशा, नव्या, रणविजय स्वरांग, सदरेआलम, अंकित, शिवम ने प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इसके बाद (संस्कृत) में देश गीत, हिंदी गीत, लोकगीत, को आयुषी, अनवी, शालिनी, विकास, आदर्श, शैलेश, आदित्य, प्रमोद, पंकज, अरविंद, आशुतोष, शुभ ने प्रस्तुत कर कार्यक्रम को नई ऊंचाई दी। अंत में बच्चों ने योगाभ्यास भी किया।

सडक किनारे शव मिला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बनकटी (बस्ती)। संतकबीरनगर गोदमवा थाना क्षेत्र के गोड़ही निवासी रामकृपाल50वर्ष बुधवार को मुंडेरवा थाना क्षेत्र के बिहरा निवासी इंद्रजीत के घर जा रहे थे इन्द्रजीत दिवंगत के सगे बहनोइ है और वह वहीं जा रहा था।लेकिन वह अपनी बहन के घर नही पहुंचा तो उसकी बहन ने उससे बात करने की कोशिश किया किंतु फोन नही उठा।गुरुवार को गोदमवा गांव के लोगों को सडक के किनारे अज्ञात व्यक्ति का शव दिखाई दिया तो लोगों ने पुलिस को सूचित किया।घटना स्थल पर पहुंची मुंडेरवा पुलिस ने उसकी जेब की तलाशी लिया तो जेब में से मोबाइल फोन और आधार मिला।पुलिस ने मोबाइल पर आये अंतिम काल के नंबर पर फोन किया तो पता चला उसकी बहन का है।पुलिस ने इसकी जानकारी उसके बहन को दिया तो वह घटनास्थल पर पहुंच कर दिवंगत की पहचान अपने भाई रामकृपाल के रूप मे किया।उसने बताया कि वह शराब बहुत पीते थे और एक हाथ से विकलांग होने की वजह से उनकी शादी भी नही हुई थी।उसने बताया कि वह बुधवार को चार बजे फोन किये थे कि हम बेहरा आ रहे है किंतु देर तक नही आये तो हमने फोन किया लेकिन बात नही हुई।गुरुवार को सुबह फोन गया तो घटना की जानकारी हुई।
थानाध्यक्ष अभिमन्यु सिह ने बताया कि आस पास के लोगों से बात किया तो लोगों ने बताया कि यह कल सांय के समय नशे की हालत मे यही आसपास घूम रहा था।पुलिस ने परिजनों के आने के बाद पंचनामा भरवा कर शव को पीएम के लिए भेजवा दिया।

यूपी के कर्मचारी नहीं कर सकेंगे सरकार की आलोचनाः लेख लिखने, बयान पर प्रतिबन्ध

लखनऊ (आभा)।राज्य कर्मियों द्वारा प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया में दिए जाने वाले वक्तव्य या मीडिया में सरकार के समक्ष खड़ी होने वाली असहज स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने इस पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके लिए दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सरकारी सूचना लीक करने पर भी कार्रवाई का प्रावधान कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव कार्मिक डा. देवेश चतुर्वेदी ने इस संबंध में गुरुवार को शासनादेश जारी करते हुए सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश भेज दिया है। इस शासनादेश के बाद राज्य कर्मी सरकारी की नीतियों या फिर विभागीय फैसलों के प्रति गलत टिप्पणी करना भारी पड़ेगा।
इतना ही नहीं अखबारों में अनर्गल लेख लिखने या फिर मीडिया में बाइट देने पर भी प्रतिबंध होगा। सरकारी कर्मचारी सिर्फ साहित्यिक, कलात्मक या वैज्ञानिक लेख ही लिख सकेगा। शासनादेश के मुताबिक प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, एक्स, वाट्सएप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम या फिर अन्य किसी तरह के सोशल मीडिया प्लेटफार्म और डिजिटल मीडिया पर कोई भी टिप्पणी या मैसेज पोस्ट करने पर रोक लगा दी गई है।
कर्मचारी आचरण नियमावली के नियम–6 में यह व्यवस्था की गई है कि राज्य कर्मी बिना मंजूरी समाचार पत्र का मालिक नहीं बनेगा और न ही उसका संचालन करेगा। समाचार पत्र या पत्रिका को लेख नहीं भेजेगा और गुमनाम, अपने नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से कोई पत्र भेजेगा व लिखेगा। नियम–7 में यह प्रावधान किया गया है कि कोई कर्मी रेडियो प्रसारण में गुनाम या स्वयं अपने नाम से कोई ऐसी बात या मत व्यक्त नहीं करेगा जिसमें सरकार के फैसले की आलोचना हो।

रक्त परीक्षण शिविर में 62 की जांच रक्तदान के लिये किया जागरूक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गुरुवार को जिला चिकित्सालय के आयुष विंग में आयुष चिकित्साधिकारी एवं रोटेरियन डा. वी.के. वर्मा के संयोजन में रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 62 लोगों का रक्त परीक्षण कर ब्लड ग्रुप और हीमोग्लोबीन आदि की जानकारी देने के साथ ही रक्तदान के लिये जागरूक किया गया।
प्रमुख अधीक्षक डा. वी.के. सोनकर ने कार्यक्रम में कहा कि समय–समय पर रक्त परीक्षण आवश्यक है। उन्होने मानव सेवा के लिये रक्तदान करने का आवाहन किया। आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि ब्लड ग्रुप की जांच आवश्यक है। इससे संकट के समय जीवन बचाने में आसानी होती है। कहा कि रक्तदान करने के अनेक लाभ है, इसका कोई दुष्प्रभाव नही है। ऐसा करके हम लोगों के जान बचाने का माध्यम बन सकते हैं।
कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लड बैंक प्रभारी डा. दीपक श्रीवास्तव, डा. सौम्या गोयल, डा. सतीश चन्द्र चौधरी, कीर्ति अग्रवाल, अंजू सिंह, कामिनी, इमरान, राजेश भारती, किशन गोयल, शिवम, राजन, विकास, दीनबंधु, प्रेम आदि ने रक्त परीक्षण शिविर सम्पन्न कराने में योगदान दिया।

स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए योग जरूरी – संजय शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में योग स्वयं और समाज के लिए थीम पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय योग सप्ताह के अंतर्गत 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह मनाया जा रहा है। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल के नेतृत्व में योग सप्ताह के अंतर्गत रंगोली, कविता, निबंध लेखन, पोस्टर एवं स्लोगन, रैली, योगाभ्यास जैसे विविध कार्यक्रम गुरुवार को संपन्न हुए। योग सप्ताह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य एवं खुशहाली के लिए नियमित योग आवश्यक है। योग केवल व्यायाम का एक तरीका नहीं बल्कि जीवन का एक पूर्ण दर्शन है। यह शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है जिससे तनाव, चिंता, डिप्रेशन आदि से मुक्ति मिलती है। योगाचार्य डॉ प्रवेश और संजूलता के नेतृत्व में प्रशिक्षुओं ने विविध प्रकार का योगाभ्यास किया। योग प्रशिक्षक डॉ प्रवेश ने बताया कि योग हमारे जीवन की प्राचीन पद्धति है। योग के माध्यम से निरोग रहने का सपना पूरा किया जा सकता है। योग सप्ताह के नोडल प्रवक्ता अमन सेन ने बताया कि योग से शारीरिक और मानसिक सभी प्रकार की समस्याओं से मुक्ति मिलती है।
योग सप्ताह कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ गोविंद प्रसाद, वर्षा पटेल, सरिता चौधरी, अजय प्रकाश मौर्य, अलाउद्दीन खां, डॉ रविनाथ, मो. इमरान, कल्याण पाण्डेय, शशि दर्शन त्रिपाठी आदि ने सहयोग किया।

ढीले वस्त्रों में करें योगाभ्यास -गरुणध्वज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंडियन योग एसोसिएशन और भारत स्वाभिमान समिति बस्ती द्वारा किसान डिग्री कालेज बस्ती में निःशुल्क योग शिविर आयोजित किया गया है जिसका उद्घाटन मंडलायुक्त अखिलेश सिंह कर सकते हैं विशिष्ट अतिथि डा रीना पाठक प्राचार्या शिवहर्ष किसान पी जी कालेज, राजमाता आशिमा सिंह, पूर्व सांसद अष्टभुजा, जगदीश शुक्ला, शुक्ल महेश शुक्ला सम्मिलित होंगे। यह जानकारी ओम प्रकाश आर्य जिला प्रभारी भारत स्वाभिमान समिति बस्ती ने दी। बताया कि प्रातः 5:30 से 7:00 बजे तक पतंजलि योग पीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित योगाचार्य डा नवीन सिंह, डा प्रवेश कुमार और गरुण ध्वज पाण्डेय द्वारा योग प्रोटोकाल का अभ्यास कराया जायेगा जिसमें किसान सेवा समिति महिला पतंजलि योग समिति, युवा भारत, एवं अन्य समाजसेवी संगठनों के अधिकारी व कार्यकर्ता शामिल होंगे। इस अवसर पर योगाचार्यों ने दिनांक 21जून को होने वाले योग प्रोटोकॉल में शामिल होने वाले योग साधकों को रात में हल्का भोजन लेने और सुबह ढीले वस्त्रों में योग शिविर में शामिल होने की सलाह देते हुए बताया कि सभी साधक अपने साथ बिछाने की चद्दर और पानी की बोतल साथ लावें। योग प्रोटोकाल का अभ्यास कराते हुए गरुण ध्वज पाण्डेय ने बताया योग हमें मानव से महामानव बनाता है। हमारे जीवन में दिव्यता आती है। इस अवसर पर सौरभ तुलस्यान, डा शिवेन्द्र मोहन पाण्डेय चंद्रप्रकाश चौधरी, मनीष त्रिपाठी आशुतोष कुमार प्रवीण त्रिपाठी नवीन त्रिपाठी जगत शर्मा शशि कला श्रीवास्तव पुष्पा सिंह बबली शर्मा रश्मि गुप्ता हिमांशु यादव संदीप भट्ट, नवल किशोर चौधरी, गणेश आर्य, श्रवण कुमार लालजी शुक्ल चंद्रप्रकाश चौधरी,संतोष पाण्डेय आदि को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई।

दबंगो ने कर लिया जमीन पर अवैध कब्जा, लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी बृजलाल पुत्र मुनिवरन ने जिलाधिकारी समेत अनेक सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर दबंगों के चंगुल से अपनी जमीन बचाने की गुहार लगाया है।
पत्र में बृजलाल ने कहा है कि उसके गाटा संख्या 15, 16, 17 का संक्रमणीय भूमिधर कब्जा है। गाटा संख्या 17 बस्ती – मुण्डेरवा पिच रोड से सटा है। राधेश्याम पुत्र राजदेव निवासी इटहर, अरुण कुमार पुत्र बसन्त निवासी खीरीघाट जे.सी. बी. और कई मिस्त्री, लेबर लेकर उसकी जमीन पर पहुंचे और जबरिया खुदाई के साथ अवैध निर्माण शुरू करा दिया। जब बृजलाल ने उन्हें रोका तो उक्त लोग गालिया देते हुये मारने पीटने की धमकी दिया। घटना की सूचना मुण्डेरवा थाने पर दी गई किन्तु कोई सुनवाई नहीं हुई। बृजलाल ने मांग किया है कि अवैध निर्माण करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही उसकी जमीन को भू–माफियाओं के चंगुल से बचाया जाय।

पेपर लीक काण्ड पर चुप क्यों हैं पीएम मोदी-राहुल गांधी

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी पेपर लीक कांड पर चुप हैं क्योंकि वह 'इसे रोक नहीं पा रहे हैं'। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यूजीसी–नेट और नीट–यूजी की परीक्षाओं में कथित पेपर लीक के मुद्दे को लेकर गुरुवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी या तो पेपर लीक को रोक नहीं पा रहे या फिर इसे रोकना नहीं चाहते हैं।
कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह दावा भी किया कि शिक्षा संस्थाओं पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके मातृत्व संगठन से जुड़े लोगों ने कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जब तक इस स्थिति को बदला नहीं जाएगा तब तक पेपर लीक होना बंद नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि पहले पीएम का 56 इंच का सीना था, अब 32–35 हो गया है।
संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने दावा किया कि चुनावों के बाद प्रधानमंत्री मोदी 'मनोवैज्ञानिक रूप से टूट चुके हैं' और उन्हें इस तरह की सरकार चलाने में संघर्ष करना पड़ेगा। आरोपी द्वारा नीट, यूजी प्रश्नपत्र लीक से जुड़े सवाल पर, राहुल गांधी ने कहा, 'मोदी साइकोलॉजिकल तौर पर टूट चुके हैं और ऐसे में सरकार चलाने में उन्हें काफी परेशानी आने वाली है। दरअसल, उनके सरकार चलाने का तरीका है, लोगों में डर पैदा करना, लेकिन अब लोग उनसे नहीं डरते हैं। अगर यहां वाजपेयी जी या मनमोहन जी होते तो शायद वे संभाल लेते, क्योंकि उनमें विनम्रता, सम्मान और समझ थी, लेकिन नरेंद्र मोदी इन बातों में यकीन नहीं करते।'
उन्होंने कहा, 'लेकिन अब लोग उनसे डरते नहीं हैं। आपने देखा कि दूसरे दिन वाराणसी में किसी ने उनकी कार पर चप्पल फेंकी। चुनावों से पहले अगर कोई उन्हें मारना चाहता था तो डर लगता था, अब वह डर खत्म हो गया है। आंतरिक समस्याएं भी हैं, उनकी पार्टी में समस्याएं हैं, उनके मूल संगठन में भी समस्याएं हैं।'
पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री की छवि पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष ने 'नरेंद्र मोदी की अवधारणा' को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने कहा, 'अब उनसे कोई नहीं डरता। लोग उनका मजाक उड़ाते हैं।'

विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर लगाई फटकार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । 50 लाख से अधिक लागत की पूर्ण/अपूर्ण परियोजनाओं की जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा किया। उन्होने समीक्षा में पाया कि कई परियोजनाओं में फंड उपलब्ध होने के बाद भी समय से जारी नही किया गया है। उन्होने इस स्थिति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्यदायी संस्था के अभियन्ताओं/प्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि तत्काल फंड रीलिज करायें तथा परियोजनाओं को अतिशीघ्र पूर्ण करायें।
उन्होने कलेक्ट्रेट भवन की बिल्डिंग व अग्निशमन केन्द्र को यथाशीघ्र हैण्डओवर कराये जाने का निर्देश दिया। चंगेरवॉ में निर्माणाधीन भवन में कनेक्शन हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत तथा 100 बेड हास्पिटल हरैया में लिफ्ट की व्यवस्था हेतु सीएण्डडीएस अधिकारी को निर्देशित किया है। उन्होने निर्माणाधीन पशुचिकित्सालयों के कार्य में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए जॉच के लिए कमेटी गठित करने का निर्देश परियोजना निदेशक को दिया है।
उन्होने राजकीय निर्माण निगम, जिला पर्यटन एवं विकास, लोकनिर्माण, राज्य सेतु निगम, जिला पंचायत, राज्य निर्माण एवं श्रम विकास(सहकारी), सिंचाई विभाग की परियोजनाओं पर गहनता से समीक्षा किया।
बैठक में सीएमओ डा. आर. एस. दुबे, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, अधिशासी अभियन्ता पीडब्ल्यूडी केशवलाल, विद्युत के मनोज सिंह व ज्ञान प्रकाश, सिंचाई के राकेश कुमार गौतम, अपर मुख्य अधिकारी विकास मिश्रा, पर्यटन अधिकारी विकास नारायण सिंह, डीएसटीआई ईशा शर्मा, एडीएसटीओ विनोद कुमार वर्मा सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खेतों में भर जाता है घरों के निकासी का पानी, अपना दल एस ने किया डीएम से समस्या के समाधान की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । अपना दल 'एस' जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल ने गुरुवार को पार्टी नेताओं, पदाधिकारियों के साथ जिलाधिकारी को मांग पत्र सौंपा। मांग किया कि नगर पंचायत बभनान के किसानों के खेतों में विभिन्न वार्डो के घरों का निकासी पानी लोहकजरा तालाब में जाता है। तालाब से आगे बने नाले में पानी आगे न जा पाने के कारण कई वर्षो से घरों का पानी किसानों के खेतों में भरा हुआ है। यदि लोहकजरा तालाब का पानी आगे बने नाले तक पहुंचाया जाय तो किसान अपने खेतों में फसल पैदा कर सकेंगे।
मांग पत्र देने के बाद अपना दल 'एस' जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल ने मांग किया कि इस समस्या का तत्काल प्रभाव से निस्तारण कराया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से अपना दल 'एस' के जिला महासचिव शिव कुमार चौधरी, अल्पसंख्यक मंच जिलाध्यक्ष निसार अहमद, अजीत वर्मा, शिवपूजन पटेल, चौधरी रामपाल पटेल, विजय कुमार वर्मा आदि शामिल रहे।

गोमांस बरामदगी मामले में बजरंग दल ने किया डीआईजी से दोषियों के गिरफ्तारी की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । गुरुवार को विश्व हिन्दू परिषद अर्न्तगत बजरंग दल के जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के प्रतिनिधि मण्डल ने डीआईजी और अपर पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर गोमांस बरामदगी के मामले में दोषियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की मांग किया।
प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से जिला संयोजक मनमोहन त्रिपाठी ने बताया कि अधिकारियों ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बताया कि गत 18 जून को सूचना मिली की मझौवामीर से एक टेम्पू गाडी संख्या यू.पी.51 बी.टी. 6022 से और एक मोटर साईकिल यूपी 58 के. 9471 में गोमांस बोरे में भरकर सेमरियांवा बाघनगर की ओर ले जाया जा रहा है। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने उक्त गाडी का पीछा किया और रूधौली थाना क्षेत्र के पकरीजई के पास रोककर पूंछा कि गाडी में किसका मांस है, जबाब लेकर जा रहे हो। मामले की सूचना थानाध्यक्ष रूधौली को दिया गया। पुलिस द्वारा किये गये पूंछताछ में उन लोगों ने अपना नाम कमरूद्दीन पुत्र हौसिलदार, अहमद पुत्र नसीबदार, इम्तियाज पुत्र कासिम अली, सफीक पुत्र शकील निवासीगण मझौआमीर थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती और इम्तियाज पुत्र जौहर अली, सेराज अहमद पुत्र मो. युनुस निवासीगण ग्राम धुवजोत थाना दुधारा जनपद संतकबीर नगर, तनवीर अहमद पुत्र अज्ञात ग्राम जमदाशाही थाना वाल्टरगंज जनपद बस्ती का बताया। बोरे में बंद मांस को खोलने पर पता चला कि वह गोमांस है। रूधौली पुलिस गोमांस के साथ उक्त लोगों को थाने पर लेकर आयी। मौके पर एस.डी.एम. और सी.ओ. रूधौली भी पहुंचे। पुलिस ने उक्त लोगों का भादवि की धारा 107, 116, 151 के तहत चालान कर दिया और गोमांस प्रकरण को छोड़ दिया गया। उन्हें एस.डी.एम. रूधौली के न्यायालय से जमानत भी मिल गई। इसे लेकर जन मानस में आक्रोश है।बजरंग दल पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने पुलिस उच्चाधिकारियों से मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कराकर उन्हे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाय।
पत्र सौंपने वालों में जिला गौरक्षक प्रमुख स्नेह पाण्डेय के साथ ही सोनू चौहान, राहुल पाण्डेय, राजमणि पाण्डेय, सदानन्द सैनी, अम्बर पाण्डेय, अशोक यादव, अतुल यादव, अनुराग पाण्डेय, धर्मेन्द्र यादव, नितिन पाण्डेय, गुड्डू विश्वकर्मा, रमेश शर्मा, कृष्णा कुमार, अजय यादव, सोनू शर्मा, अमित कन्नौजिया आदि शामिल रहे।

योग से बढ़ती है कार्य क्षमताः साधन नहीं साधना हो ध्येय

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत योग प्रोटोकॉल के क्रम में जनपद में आयुष विभाग द्वारा निरंतर योगाभ्यास कराया गया। गुरुवार को महर्षि वशिष्ठ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में योगाभ्यास कराते हुए योगाचार्या सन्तो दुबे ने कहा की साधन कभी भी किसी साधन की मोहताज नहीं होती है जिस तरह से बहता हुआ जल अपनी मंजिल तक पहुँच ही जाता है वैसे ही साधक या योगी योग क्रिया और साधना करते करते एक दिन स्वयं के मूल तक पहुँच ही जाता है।
मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य मनोज कुमार ने योग कार्यशाला में भाग लिया और कहा कि नियमित रूप से किया जाने वाला योगाभ्यास मानव सभ्यता को एक नया आयाम देगा। डॉ वीरेंद्र त्रिपाठी ने योग को नितांत आवश्यक दैनिक क्रिया कलापों से जोड़ते हुए बताया की योग हमारी मनः स्थिति को ठीक रखता है जिससे हमारी कार्यक्षमता बढ़ जाती है। पूर्व आयुर्वेदिक और यूनानी अधिकारी डॉ वी के श्रीवास्तव ने भी योग कार्यशाला में प्रतिभाग किया और आयुर्वेद और योग को एक ही परिवार का अंग बताया ।
योग वेलनेश सेंटर शंकरपुर में कार्यरत योगाचार्या सन्तो दुबे ने 21 जून को होने वाले 10वें विश्व योग दिवस के प्रोटोकॉल के अंतर्गत सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, ध्रुवासन, मंडूकासन, पश्चिमोत्तानासन, , सलभ आसन , ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटि संचालन, भुजंगासन, भ्रामरी प्राणायाम कराया और इसके लाभ भी बताए एवं इन योगाभ्यासों को करते समय बरती जाने वाली सावधानी के विषय में भी चर्चा किया। योग प्रोटोकॉल के इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के डॉ एस एस केसरी, डॉ प्रियंका केशरवानी, डॉ अमित सिंह, डॉ ज्ञान प्रकाश मिश्रा, डॉ आनंद बिहारी, के साथ अन्य स्टाफ एवं मेडिकल के छात्र –छात्राएं उपस्थित रहीं।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 जून 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

भाजपा और संघ का द्वंद

महात्मा गांधी की हत्या के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर देश में प्रतिबंधा लगा दिया गया था। फिर तत्कालीन गृह मंत्री सरदार पटेल ने इस शर्त के साथ प्रतिबंध हटाया था कि संघ राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा नहीं लेगा। तब से लेकर अब तक गंगा में बहुत–सा पानी बह चुका है। वह प्रतिबंध कब और कैसे हटा, अब उसकी बात भी नहीं होती। जनसंघ के जमाने से भाजपा तक की यात्रा में देश ने संघ की राजनीतिक भूमिका को स्पष्ट देखा है। जहां तक भाजपा के सत्ता में आने का सवाल है, संघ की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। सब जानते हैं कि भाजपा संघ की राजनीतिक शाखा के रूप में ही विकसित हुई है। यह बात दूसरी है कि अब भाजपा का नेतृत्व अपनी स्वतंत्र सत्ता को मजबूत बनाना चाह रहा है। पार्टी के वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने तो इस बार के चुनाव में स्पष्ट घोषणा कर दी थी कि अब भाजपा को संघ की बैसाखी की आवश्यकता नहीं है।

बहरहाल, यह बात दूसरी है कि संघ की महत्ता को नकारने वाले भाजपा नेतृत्व को चुनाव के आखिरी दौर तक पहुंचते–पहुंचते यह समझ आने लगा था कि उससे गलती हो गयी। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। संघ के नेतृत्व ने भी यह बताने–जताने में देरी नहीं की कि पार्टी के नेतृत्व का 'घमंड' उसके पराभव का कारण बनेगा। आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत ने तो हाल ही में अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए यह स्पष्ट कह दिया है कि आम–चुनाव में भाजपा को अपेक्षित विजय न मिलने का कारण भाजपा के शीर्ष–नेतृत्व का घमंड ही है। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा या शीर्ष–नेतृत्व का नाम भले ही न लिया हो, पर किसी से यह छिपा नहीं रहा कि उनका आशय प्रधानमंत्री मोदी के तौर–तरीके से है।

यह सही है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा में लगातार तीसरी बार विजय प्राप्त की है, लेकिन सही यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी को सनद्द 2014 में जितना जन–समर्थन मिला था उसकी तुलना में इस बार मिला समर्थन कहीं कम है। दस साल पहले भाजपा के सांसदों की संख्या 282 थी, जबकि 2024 में यह संख्या घटकर 240 रह गयी है। इसमें कोई संदेह नहीं शासन के समय के साथ सत्ता विरोधी लहर का असर पड़ता है, पर 350 सीटों पर विजय का दम भरने वाले दल को पूर्ण बहुमत भी न मिल पाना यह भी बताता है कि 'एक अकेला सब पर भारी' का दावा करने वाले नेतृत्व पर सत्ता का नशा भी छाने लगा था। संघ के सर्वोच्च नेता मोहन भागवत ने इसी नशे की ओर इशारा करते हुए भाजपा को चेतावनी दी है।

रामचरितमानस में एक चौपाई है– 'नाहीं कोऊ जन्मियो जग माही, प्रभुता पाय जाही मद नहीं'। अर्थात प्रभुता का नशा किस पर नहीं चढ़ता। दुनिया के तमाम देशों का इतिहास साक्षी है कि सत्ता के घमंड ने बड़े–बड़ों को आईना दिखाया है। इसलिए आदर्श शासक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह विनम्रता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेगा। यूं कहने को हर शासक स्वयं को 'सबसे बड़ा सेवक' अथवा 'चौकीदार' कहता है, पर हमने देखा है कि इस ओढ़ी हुई विनम्रता का सच अंततः उजागर हो ही जाता है।

यह कहना तो सही नहीं होगा कि सिर्फ घमंड के कारण भाजपा को इस बार अपेक्षित सफलता नहीं मिली, पर इसमें कोई संदेह नहीं कि अब 'हमें संघ की मदद की आवश्यकता नहीं रही' जैसी भावना मन में आना भी भाजपा की वर्तमान स्थिति का एक बड़ा कारण है। इस तरह का घमंड किसी भी शासक को कमजोर ही बनाता है। अपने ही देश में हमने इंदिरा गांधी को सत्ता के शीर्ष से लुढ़कते देखा है। यह प्रभुता का मद ही था जिसने उन्हें देश में आपातकाल लागू करने की बुद्धि दी। 'इंदिरा इज इंडिया' जैसा नारा देने वाले उनके अनुयायियों ने ही संभवतरू उन्हें यह अहसास कराया था कि वे सर्व शक्तिशाली हैं! यह अच्छी बात है कि उनका सत्ता का नशा जल्दी ही उतर गया और उन्होंने चुनाव की घोषणा करके जनतंत्र को फिर से पटरी पर ला दिया।

सरसंघचालक भागवत का यह घमंड वाला बयान भी हमारे शासकों को यह चेतावनी देने वाला है कि वह राज करने के लिए नहीं, शासन व्यवस्था चलाने के लिए चुने जाते हैं। भागवत के बयान के पीछे भाजपा द्वारा संघ की अनदेखी करना भी एक कारण हो सकता है, लेकिन इसके पीछे के इस भाव को भी समझा जाना चाहिए कि सत्ता में बैठने वालों को विनम्रता का पाठ भी पढ़ना होता है। भागवत ने यह कहना भी जरूरी समझा कि चुनाव–प्रचार के दौरान जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया वह भी विनम्रता और शालीनता की कसौटी पर खरी नहीं उतरती। भले ही वह समूचे राजनीतिक नेतृत्व का हवाला देने लगें, पर हकीकत छिपी नहीं है कि उनका संकेत मुख्यतरू किस ओर था।

निःसंदेह, आरोप–प्रत्यारोप लगाना स्वाभाविक है, शब्द कुछ कटु भी हो सकते हैं, पर दुश्मन और प्रतिपक्षी के अंतर को समझना जरूरी है। हमारे राजनेताओं को समझना होगा कि सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों को मतदाता ने चुना है, दोनों को जनता की भलाई के लिए काम करना है। जनतंत्र में विरोधी दुश्मन नहीं प्रतिपक्षी होता है। दोनों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह नम्रता के साथ अपना दायित्व संभालेंगे। लेकिन हमारे राजनेता जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका समर्थन नहीं किया जा सकता। सिर्फ चुनाव–प्रचार में ही नहीं संसद और विधानसभाओं में भी हमारे नेता जैसा व्यवहार करते हैं, जैसी भाषा काम में लेते हैं, वह कई बार शिष्टता की सीमा लांघ जाती है। इसके पीछे भी अक्सर घमंड का वही भाव होता है, जिसकी बात श्री भागवत ने की है।

हमारे नेतृत्व को 'मैं' की जगह 'हम' का प्रयोग करना सीखना होगा। जब कोई प्रधानमंत्री छाती ठोक कर 'सब पर भारी' होने की बात करता है तो वह सामूहिक सोच की महत्ता पर सवालिया निशान लगा रहा होता है। जब संघ के मुखिया यह कहते हैं कि चुनाव में अपेक्षित सफलता न पाने के पीछे प्रधानमंत्री मोदी का स्वयं को 'सेवक' के बजाय 'शासक' समझना एक बड़ा कारण था तो वे एक तरह से इस 'मैं' की प्रवृत्ति को समझने की ही बात कर रहे थेकृ 'एक असली सेवक कभी भी अपनी उपलब्धियों पर गर्व नहीं करता' और न ही उन्हें अकेले की प्राप्ति मानता है। जब कोई शासक यह मानने लगता है कि ईश्वर ने उसे किसी विशेष प्रयोजन के लिए भेजा है तो इसके पीछे सिर्फ वह घमंड होता है जो किसी के लिए भी उचित नहीं माना जाना चाहिए। जब कोई सत्ताधीश यह दावा करता है कि 'मैंने अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया' तो यह कहने का मन करता है कि अनाज उसका नहीं, देश का हैय निर्णय एक व्यक्ति का नहीं, पूरी सरकार का है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तौर–तरीकों से, नीतियों से, मान्यताओं से किसी का विरोध हो सकता है, पर जब संघ का मुखिया 'प्रभुता पाय काहि मद नाहीं' से बचने की बात कहता है तो इसके पीछे की भावना का समर्थन होना चाहिए। स्वयं को ईश्वर का अवतार समझने अथवा, ईश्वर का दूत मानने की प्रवृत्ति व्यक्ति की कमजोरी का प्रमाण है, उसकी ताकत का नहीं। भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में अवश्य आई है, पर पहले से कम समर्थन के सार्थक अपनी कथित उपलब्धियों पर घमंड करने वालों को यह बात ध्यान में रखनी होगी!

कर्म में निहित है कुशलता का योग

–डॉ० राजेश कुमार शर्मा–

हम प्रारम्भिक काल से ही सामान्य से विशेष की ओर यात्रा करते रहे है और यह माना जाता है कि कर्म में कुशलता ही योग है। हम जिस कार्य को करते हैं उसमें तल्लीनता, समग्रता और एकाग्रता होनी चाहिए और यह योग का सामान्य परिचय है। सामान्य से विशेष की ओर गमन और पुनः विशेष से सामान्य की यात्रा मानव मस्तिष्क में ज्ञान की तीक्ष्णता का मुख्य साधन हैं। योग कोई हिमालय पर जाकर करता है, कोई भूमिगत होकर अध्ययन करने के रूप में करता है, कोई हॉकी खेलकर करता है, कोई युद्ध करके करता है। यदि हॉकी खेलने वाला अपना पूरा ध्यान और शक्ति खेल पर केंद्रित करता है, तो वह उस खिलाड़ी का योग है। जूते बनाने वाला मोची यदि तल्लीनता से जूते सिलकर तैयार करता है तो वह उस स्तर का योग है। किसी भी कार्य को पूरी शक्ति एवं ध्यान केन्द्रित करके करना अपने अपने स्तर का योग है। यह अलग अलग स्तर का योग स्वयं तो स्तरीय योग है ही साथ ही साथ महायोग का साधन भी है क्योंकि जब तक अपने कार्यों में दक्षता, लगन और ध्यान नहीं होगा, तब तक योग सिद्ध नहीं होगा। कोई कहे कि वह एक छात्र है, उसका पढ़ने में मन नहीं लगता, या खेलने में मन नहीं लगता या किसी भी कार्य में मन नहीं लगता तो वह आजीवन योग को सिद्ध नहीं कर सकता। यदि ऐसा व्यक्ति आसन आदि लगा भी ले तो उसकी यह क्रिया शारीरिक व्यायाम ही कहलाएगी, उसे योग की संज्ञा नहीं दी जा सकती।

आज के इस वैश्वीकृत युग में पाश्चात्य जगत से आयातित जो योगा है वह आंशिक है, केवल शारीरिक है क्योंकि महायोग की साधना अभ्यास के बिना नहीं सिद्ध हो सकती। यदि व्यक्ति किसी भी एक कार्य मे तन और मन लगाकर अपनी समस्त इद्रियों को उसमें स्थिर कर ले तो वह महायोग की प्रथम सीढ़ी चढ़ जाता है। कोई यह सोचे कि मेरा किसी कार्य में मन नहीं लगता, आजकल योग बहुत प्रसिद्धि पर है, मैं योग का कोर्स करके योग प्रशिक्षक बन जाता हूँ, तो उससे बड़ा स्वयं को और छात्रों को छलने वाला कोई नहीं हो सकता, क्योंकि योग का प्रथम सोपान ही है अभ्यास। अभ्यास के द्वारा इन्द्रियों और मन का नियन्त्रण। यदि बिना मन के मोची जूता बनाता रहा, विद्यार्थी अध्ययन करते रहे तो इन्द्रियां तो कहीं और भागती रही, और योग के प्रथम सोपान में ही वे सब असफल हो गए। प्रारम्भिक स्तर के सामान्य प्रशिक्षु के लिए योग की परिभाषा है– ''योगः कर्मसु कौशलम''

जब अपने कार्य में तल्लीनता और समग्रता आ जाएगी तो योग के द्वितीय सोपान पर स्वतः पहुँच जाएंगे क्योंकि कार्यों में कुशलता का अर्थ है कार्यों में आपने अपनी इन्द्रियों और मन को लगाना सीख लिया, मतलब आप अपने मन के अनुसार अपने रूचि के कार्यों में अपनी इन्द्रियों का नियन्त्रण सीख गए। अब योग साधना का दूसरा सोपान है कि जो इन्द्रिय नियन्त्रण आपने रूचि के कार्यों में सीखा है, वह नियन्त्रण स्थिर हो जाए अर्थात यदि कार्य आपकी रूचि का नहीं तब भी आप अपनी इंद्रियों को बलपूर्वक नियंत्रित कर सके। यह क्रिया आपको बलपूर्वक इन्द्रिय संयम का अभ्यास कराएगी। इस बलपूर्वक इंद्रिय संयम का आपको एक लम्बे समय तक अभ्यास करना होगा। अभी तक आप बलपूर्वक अपनी इन्द्रियों और मन का संयम कर रहे थे। यह दीर्घकालीन अभ्यास आपके इद्रिय संयम को बिना बल के बिल्कुल आसानी से होने वाला बना देगा। आपको अब अपनी इंद्रियों और मन को रोकने के लिए न किसी रूचि के विषय की आवश्यकता रहेगी, न किसी बाह्य बल की। यह संयम आप अनायास करने में समर्थ होंगे। महायोग की सिद्धि में इस अवस्था में आप तृतीय सोपान पर हैं।

इस तृतीय सोपान पर आप किसी भी विषय पर बिना किसी बल के, बिना किसी प्रयास के और अरुचिकर विषय पर भी अपने इन्द्रयों और मन को केन्द्रित करने में सक्षम होंगे। अभी तक आपका यह अभ्यास धीरे धीरे दो बातों को छोड़ चुका है, आपकी रूचि और आपका बल। आपके अभ्यास में अब केवल एक वस्तु बची है, वह है विषय। जिस वस्तु, विचार या तत्व को ध्यान में रखकर आप अभ्यास कर रहे हैं, अगले सोपान में आपको उसे भी त्यागना है। वह आपकी साधना का चतुर्थ सोपान होगा। यदि आप किसी मूर्त या भौतिक वस्तु पर ध्यान केद्रित कर रहे हैं, तो उस वस्तु को हटाकर विचार या शून्यता अथवा अपनी परिकल्पना में ध्यान करके अपनी इन्द्रिय और मन का संयम कीजिए। चतुर्थ चरण में उस विषय में जब आप ध्यान केन्द्रित करेंगे तो वह विषय आपकी ध्यान शक्ति और इन्द्रिय संयम से आपकी चित्तवृत्ति के समान हो जाएगा, आपके ध्यान में और उस ध्येय में एकाकारता हो जाएगी। अब ध्येय वस्तु भी आपकी चित्तवृत्ति के आकार से आकारित हो जाएगी। अभी विषय तो समाप्त हुआ किन्तु चित्तवृत्ति शेष है। आपको यह अभिमान है कि मै चित्तवृत्ति से युक्त हूँ। आपने क्रमशः पहले रूचि को हटाया, बलपूर्वक संयम को हटाया, विषय को हटाकर किसी अमूर्तसत्ता पर पहुंचे, अमूर्त सत्ता को भी आपने चित्तवृत्ति तक पहुंचा दिया। चित्तवृत्ति आपका अहंकार है, आपने धीरे धीरे सब कुछ समाप्त कर दिया अब आप बिल्कुल महायोग के द्वार पर हैं। बस आपको अपनी चित्तवृत्ति का निरोधा करना है, और यह अन्तिम और पंचम सोपान वही है जो लगातार अभ्यास से होगा और अन्ततः सम्प्रज्ञात और असम्प्रज्ञात समाधि पर अन्त होगा। आपने अपने रूचि के कार्य से प्रारम्भ किया था और चित्तवृत्ति के निरोध पर पहुंच गए। योग की परिभाषा भी है– 'योगः चित्तवृत्तिनिरोधः।'

भाव यही है कि धीरे धीरे सभी साधनों को छोड़ते हुए स्वत्व की ओर गति करना। छोटे बच्चे को आपने साइकिल चलाते हुये देखा होगा। पहले कुछ दिन सपोर्ट वाली साइकिल चलाता है, फिर सपोर्ट हटाकर कुछ दिन गिरते पड़ते बिना सपोर्ट वाली साइकिल चलाने का योग सिद्ध करता है। फिर 16 इंच, 18 इंच और 22 इंच की साइकिल में कभी कैंची कभी फुल अनायास बिना गिरे सिद्धहस्तता प्राप्त करता है, यही है सामान्य से विशेष की यात्रा। इस महायोग की प्रक्रिया में साधन है अष्टांगयोग। कुछ नैतिक नियम हैं, कुछ शारीरिक व्यायाम आसन है, अपना ध्यान अपनी प्राणवायु पर केन्द्रित करना प्राणायाम है और इस प्रकार यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा और ध्यान के मार्ग से होते हुए समाधि तक की यात्रा इसी योग प्रक्रिया का सहायक अंग है। तो दोस्तों मेरी दृष्टि में 'योग कोई मजाक नही, रॉकेट साइंस नहीं केवल अभ्यास का चरमोत्कर्ष' है।

–लेखक राजकीय महाविद्यालय, रुधौली, बस्ती में इतिहास विभाग के 'प्रोफेसर हैं

रेल हादसों पर कैसे हो नियंत्रण

–रोहित माहेश्वरी–

पश्चिम बंगाल में बीते दिनों हुई रेल दुर्घटना में 10 यात्रियों की जान चली गई। कंचनजंगा एक्सप्रेस ट्रेन सियालदाह जाने वाली थी, लेकिन मालगाड़ी ने पीछे से टक्कर मारी और बहुत कुछ ध्वस्त हो गया। पीछे की दो बोगियां मलबा बन गईं। कुछ बोगियां पटरी से नीचे उतर कर पलट गईं। घायलों की संख्या भी 50–60 बताई गई थी। हम उनके स्वस्थ होने और अपने–अपने घर लौटने की दुआ करते हैं। दुर्घटना कोई भी हो, विध्वंस होती है। दुर्घटना की शुरुआती रपटें इसे 'मानवीय चूक' करार दे रही हैं। संभव है कि ऐसा ही हो, लेकिन रेलवे सुरक्षा आयुक्त की सम्यक जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि टक्कर का बुनियादी कारण क्या था?

जांच में यह तथ्य भी विचाराधीन होना चाहिए कि मालगाड़ी का लोको पायलट लगातार चार रातों से सोया नहीं था। यह भी अमानवीय नौकरी है। नियम अधिकतम दो रात लगातार ड्यूटी करने की अनुमति देते हैं। यह भी अमानवीय नियम है। वैकल्पिक लोको पायलटों की व्यवस्था होनी चाहिए। यह कैसे होगा, क्योंकि रेलवे में बीते 10 सालों से करीब तीन लाख पद खाली पड़े हैं। उनमें 21 फीसदी लोको पायलट के पद हैं। उन्हें कब भरा जाएगा? वे तो स्वीकृत और अधिकृत पद हैं, फिर सरकार को इन पदों को भरने में क्या दिक्कत रही है?

खुद रेलवे बोर्ड का मानना है कि लोको पायलट की लगातार कई घंटों, दिनों की नौकरी भी बड़े हादसों का बुनियादी कारण है। 'कवच' एक ऑटोमैटिक रेल सुरक्षा सिस्टम है, जिसे स्वदेशी तौर पर ही विकसित किया गया है। सवाल है कि बालासोर रेल हादसे के बाद एक भी रूट किलोमीटर 'कवच' प्रणाली स्थापित क्यों नहीं की जा सकी? इसका जवाब रेल मंत्री देंगे अथवा जांच के बाद कोई यथार्थ सामने आएगा! अभी तक 1465 रूट किमी और 139 रेल इंजनों पर ही 'कवच' स्थापित किया गया है। यह स्थिति फरवरी, 2024 की है और दक्षिण मध्य रेलवे में ही यह व्यवस्था की गई है।

बताया जाता है कि कई हजार रूट किमी पर 'कवच' प्रणाली के लिए टेंडर दे दिए गए हैं। वे कब तक इस सुरक्षा प्रणाली को स्थापित कर देंगे, ताकि कोई भी अमूल्य जिंदगी गंवानी न पड़े? 'कवच' ही सुरक्षा की 100 फीसदी गारंटीशुदा व्यवस्था नहीं है। सिग्नल और इंटरलॉकिंग सरीखी तकनीकी समस्याएं हैं, जिनके कारण रेलवे टकराव होते हैं और त्रासद हादसे सामने आते हैं। सिग्नल खराब होने की स्थिति में लोको पायलट्स को ट्रेन कैसे चलानी है, इसका पर्याप्त प्रशिक्षण पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोको स्टाफ को आज तक नहीं दिया गया है।

ऑल इंडिया रनिंग लोको स्टाफ एसोसिएशन के उपाध्यक्ष एसएस ठाकुर का बयान गौरतलब है कि सिग्नल फेल होने पर जिस वैकल्पिक फॉर्म टीए–912 के जरिए ट्रेनें चलाई जाती हैं, उससे जुड़ा एक नियम यह भी है कि तब तक आगे वाली ट्रेन अगला स्टेशन पार न कर ले, तब तक दूसरी ट्रेन को पिछले स्टेशन से आगे नहीं बढ़ाते हैं। इस बार यह नियम नहीं माना गया, तो गलती से हादसा हो गया। हालांकि बालासोर दुर्घटना के बाद कुछ प्रयास किए गए थे, ताकि ये विसंगतियां कम की जा सकें। सवाल यह भी पूछा जाना चाहिए कि भारतीय रेल की व्यापकता को अपेक्षाकृत सुरक्षित करने के मद्देनजर क्या 'कवच' प्रणाली को कुछ शीघ्रता से स्थापित नहीं किया जा सकता?

सवाल यह है कि रेल मंत्रालय मानवीय भूल के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को टालने के लिए गंभीर पहल क्यों नहीं करता। क्यों रेल दुर्घटनाएं रोकना सत्ताधीशों की प्राथमिकताओं में शामिल नहीं होता? जिस ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली 'कवच' को चरणबद्ध तरीके से जल्दी से लागू किया जाना चाहिए था, उस पर कछुआ गति से काम क्यों हो रहा है? एक ओर देश में बुलेट ट्रेन और तेज गति से चलने वाली अन्य ट्रेनों की बात की जा रही है, वहीं सामान्य गति से चलने वाली ट्रेनों को भी दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में हम विफल साबित हो रहे हैं। जरूरत इस बात की है कि देश में फास्ट ट्रेनों की चकाचौंध व ग्लैमर के बजाय सामान्य गति की ट्रेनों की सुरक्षा को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। वहीं विपक्ष का आरोप है कि रेलवे में रिक्त पड़े लाखों पदों को नहीं भरा जा रहा है, जिससे रेलवे बढ़ती आबादी के दबाव में सुरक्षित रेल सेवा उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। आखिर हम इन रेल हादसों से सबक कब लेंगे?

सवाल यह भी है कि क्या 'वंदे भारत' सरीखी ट्रेन के आकर्षक आधुनिकीकरण पर राजनीतिक और नीतिगत फोकस अधिक है, लिहाजा 'कवच' जैसी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती हैं? क्या रेलवे की सुरक्षा से ऐसे समझौते किए जा सकते हैं? सवाल यह भी वाजिब है कि राष्ट्रीय रेल सुरक्षा कोष में 75 फीसदी फंडिंग कम क्यों की गई? सुरक्षा कोष के पैसे रेल अधिकारी क्यों खर्च कर रहे हैं? रेल हादसे होते हैं, तो ऐसे सवाल भी उठाए जाते हैं। इस पूरे परिदृश्य पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को देश को जवाब देना चाहिए।

निस्संदेह, रेल यातायात को दुर्घटनाओं से निरापद बनाने के लिये बुनियादी ढांचे में सुधार व अधिक निवेश की जरूरत है। हम अतीत के हादसों से सबक लेकर परिचालन व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करें। हादसों की जवाबदेही तय हो ताकि दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वक्त की जरूरत है कि दुर्घटनाओं को टालने के लिये, जितना जल्दी हो सके अधिक दबाव वाले इलाकों में 'कवच' योजना को क्रियान्वित किया जाए। इसके अलावा पटरियों के रखरखाव के लिये आवंटित फंड का उचित उपयोग किया जाए। साथ ही बुनियादी ढांचे में सुधार, दुर्घटना टालने को आधुनिक तकनीकों का उपयोग तथा नई चुनौतियों से मुकाबले के लिये रेलवे कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की भी जरूरत है। यह भी कि रेलवे के आधुनिकीकरण के लिये वित्तीय संसाधन जुटाए जाएं ताकि यह न कहा जा सके कि असुरक्षित पटरियों पर लचर संचालन प्रणाली दुर्घटनाओं की वजह बन रही है। दुर्घटनाओं का सिलसिला तभी थमेगा जब यात्रियों की सुरक्षा रेल मंत्रालय व सरकार की प्राथमिकता बनेगी।

बढ़ते रेल हादसों की वजह से रेलवे के पूरे तंत्र पर प्रश्न चिह्न लग रहा है। सिग्नल सिस्टम में सुधार करना जरूरी है। साथ ही मानवीय त्रुटियां न हों, इसके लिए रेलवे कर्मचारियों को पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाए। पटरियों के रखरखाव पर खास ध्यान दिया जाए। नियमित सुरक्षा ऑडिट और निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए। आधुनिक तकनीक को अपनाया जाए। रेलवे ट्रैक का नियमित निरीक्षण होना चाहिए और इसकी मरम्मत पर ध्यान दिया जाना चाहिए। स्टाफ प्रशिक्षित और सतर्क होना चाहिए। आधुनिक कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल किया जाए। आपातकालीन सेवाओं को मजबूत बनाया जाए। ट्रेनों और स्टेशनों में सीसीटीवी लगाए जाए। देश में पिछली तीन बड़ी रेल दुर्घटनाओं में सिग्नल सिस्टम तकनीक में आ रही खामी एक बड़ी वजह उभर कर सामने आई हैं। अतः इसमें सुधार की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि बार–बार रेल हादसे क्यों होते हैं और क्या इनको लेकर जवाबदेही तय नहीं की जा सकती? बार–बार यात्रियों को हादसों का शिकार होना पड़ेगा, तो जनता में रोष पनपना स्वाभाविक है। यह भी सवाल है कि हादसों के बाद जांच के लिए जो समितियां गठित होती हैं, उनकी सिफारिशें किस हद तक मानी गई हैं। रेल यात्रा सुरक्षित बनाने के लिए ड्राइवरों की समय समय पर आंखों की जांच की जाए । आठ घंटे बाद उन्हें विश्राम दें। रेलवे कर्मचारियों व अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए। मात्र मृतकों के परिजनों व घायलों को मुआवजा देने से रेलवे अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। समस्या समाधान चाहती है, न कि दलगत राजनीति ।

योग की वैश्विक स्थापना

–संजीव ठाकुर–

योग अब भारत के साथ विश्व स्तर पर फिर दस्तक देने लगा है, संयुक्त राष्ट्र संघ में योग को मान्यता देते हुए 21 जून को विश्व योग दिवस मनाने का संकल्प लिया था और तब से लगातार प्रतिवर्ष विश्व योग दिवस मनाया जाता है। रोगों की रोकथाम में भी योग की सहायता लेकर प्राणायाम अनुलोम विलोम,भक्तिका जैसे योगासन फेफड़ों के लिए अत्यंत कारगर उपाय की तरह माने जा रहे हैं। पर्यावरण प्रदूषण के रोकथाम में भी योग काफी हद तक कारगर है अतः संक्रमण में योग का सहारा लेकर अपने शरीर को स्वस्थ रखा जा सकता है। भारतीय योग विद्या अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है एवं कॅरोना जैसे संक्रमण से बचने के लिए योग अभ्यास को अपनाने से इससे बचा जा सकता है।

भारतीय वैदिक योग विद्या ने अंतराष्ट्रीय स्वरूप ले लिया है, योग अब न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है। भारतीय योग गुरुओं के वर्तमान में लाखों विदेशी शिष्य भी बन चुके हैं।योग एक आत्म केंद्रित शारीरिक क्रिया तथा प्रक्रिया है। इसके लिए किसी विशेषज्ञ की आवश्यकता भी नहीं होती ना किसी महंगी सहायक सामग्री की भी। इसीलिए योग एक रोग निवारक उपाय के रूप में धीरे धीरे व्यापक जन समर्थन प्राप्त करता जा रहा है।

योग प्रक्रिया में किसी अनावश्यक धन खर्च की आवश्यकता भी नहीं है और इसमें किसी विशेषज्ञ अथवा स्पेशलिस्ट व्यक्ति को भारी धन खर्च कर उस से ज्ञान लेने की आवश्यकता भी नहीं है। इसीलिए योग रोग निवारक उपाय की तरह ग्रामीण तथा शहरी भारत आदिवासियों महिलाओं के साथ युवाओं, विद्यार्थियों ,गर्भवती माताओं, किशोरियों आदि में नित नई बीमारियों के उन्मूलन में अत्यधिक उपयोगी साबित भी होता जा रहा है।

योग से न सिर्फ शरीर एवं मानसिक शक्ति में वृद्धि होती है बल्कि इससे आर्थिक लाभ प्राप्त होने लगे हैं ।योग से अर्थव्यवस्था सुधारने की क्षमता भी बढ़ती आंकी गई है। योग से अर्थव्यवस्था को सुधारने में अग्रणी भूमिका निभाने में बहु उपयोगी है। योग गुरुओं के रूप में नए रोजगार का अवसर ग्रामीण टूरिज्म, योग टूरिज्म, विदेशी मुद्रा की प्राप्ति व्यक्ति की उत्पादन क्षमता में बढ़ना और योग सामग्री का नया बाजार विकसित धीरे–धीरे होने लगा है। योग के प्रचार प्रसार होने तथा इसके लाभों को जन जन तक पहुंचाने के परिणाम स्वरुप आम लोगों में योग के प्रति रुचि बढ़ने लगी है ।फल स्वरूप स्कूल कालेजों तथा अन्य कॉरपोरेट सेक्टर के संस्थानों में योग शिक्षकों की मांग बढ़ने की संभावना बलवती हो गई है। बाबा रामदेव, अयंगर स्वामी, सतगुरु स्वामी ,विक्रम योगी जैसे गुरुओं की तरह अन्य योग के गुरुओं की मांग बेरोजगारी को कम करने में सहायक होगी तथा युवाओं को रोजगार का सतत एवं स्थापित रोजगार प्राप्त होगा। योग के प्रचार प्रसार बढ़ने से ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन अर्थ लाभ की प्रक्रिया शुरू होना शुरू होगी तथा ग्रामीण पर्यटन के इजाफे के साथ साथ अन्य क्षेत्र में समग्र रूप से रोजगार बढ़ने की संभावना दिखाई देने लगी है। योग के अवसर शहर के प्रदूषण से दूर ग्रामीण क्षेत्रों की प्राकृतिक छटा के मध्य योग केंद्र स्थापित होने के साथ–साथ यह धन लाभ की योजनाओं को भी सृजित करते जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी के कूटनीतिक तथा राजनयिक प्रयत्न के फल स्वरुप संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इसे वैश्विक मान्यता प्रदान करने के लिए 21 जून को प्रतिवर्ष वैश्विक योग दिवस मनाने की महत्वपूर्ण शुरुआत की गई। यह अत्यंत महत्वपूर्ण बात है कि भारत के इस संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बनाने हेतु प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र संघ में सबसे शीघ्रता से प्रस्ताव स्वीकृत किया गया और विश्व के सभी देशों पर का पक्षों ने जिस पर आम सहमति दर्शाई थी। योग वैश्विक स्तर पर चर्चित एवं प्रसिद्ध होने से पश्चिम से लेकर पूरब तक योग की महत्ता पर लोगों ने इसे अपने जीवन का अंग बना कर इसे वरीयता प्रदान करना शुरू कर दिया है। अब हर वर्ष 21 जून को न सिर्फ भारत में बल्कि संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अन्य देशों में भी वैश्विक योग दिवस के रूप में योग प्रक्रिया तथा प्रक्रिया का प्रदर्शन तथा योग क्रिया की जाने लगी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के पश्चात योग द्वारा बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की प्राप्ति भी होने लगी है तथा इससे फॉरेन एक्सचेंज भी मजबूत होने लगा जिसके फलस्वरूप योग्य के प्रति पश्चिम के लोगों में बढ़ते आकर्षण ने ही बाबा रामदेव देव जैसे योग गुरु को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है।

एसपी ने थानाध्यक्ष को किया निलंबित

संवाददाता—बहराइच। एसपी बहराइच ने अपने दायित्व का निर्वाहन न करने के मामले में थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया। एसपी कि इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। वहीं पुलिस पर वसूली के आरोप लग रहे हैं। इस वसूली के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट चल रहा है। जिससे आम जनमानस में पुलिस की छवि खराब हो रही है। जिले के हुजूरपुर थाने में बतौर थानाध्यक्ष दिलीप शुक्ला की तैनाती है। थानाध्यक्ष की लगातार शिकायतें एसपी को मिल रही थी। जिसके चलते एसपी वृंदा शुक्ला ने थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया है। एसपी कि इस कार्रवाई से अन्य पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया है। वहीं क्षेत्रवासी हुजूरपुर पुलिस की कार्यशैली को लेकर सोशल मीडिया पर पोस्ट चला रहे हैं। आरोप तो यहां तक लग रहे हैं कि थाने के सिपाही 200 से 500 रुपये की वसूली करते हैं। यही नहीं थाने की पुलिस को दो पक्षों में मारपीट का इंतजार रहता है। इस तरह के तमाम आरोप पुलिस पर लग रहे हैं। पुलिस की कार्यशैली को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पुलिस पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

ट्रक व परिवहन निगम की बस में टक्कर किशोर समेत दो की मौत, 14 घायल

संवाददाता—देवरिया। मदनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बहसुआ के निकट गुरुवार की सुबह रोडवेज बस व ट्रक की आमने—सामने टक्कर में एक किशोर और महिला की मौके पर मौत हो गई जबकि 14 यात्री घायल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस बचाव कार्य में जुटी है। घायलों को आसपास के लोगों ने महेन पीएचसी पहुंचाया जहाँ से सभी को मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया गया।

देवरिया डिपो की बस सुबह करीब 7रु30 बजे गोरखपुर के दोहरीघाट के लिए जा रही थी। बस अभी बहसुआ व दुबौली गांव के बीच मे थी कि सामने से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने तेज टक्कर मार दिया। जिसमें बिट्टन(12) निवासी बिरवापुर बड़हलगंज गोरखपुर की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा एक अज्ञात महिला की भी मौत हुई है, जबकि 14 लोग घायल हैं। टक्कर की तेज आवाज सुन कर आसपास के लोग मौके पर पहुंच बचाव कार्य मे जुट गए।घायलों को बस से निकाल के अस्पताल भेजना शुरू कर दिया। चालक को किसी तरह ग्रामीणों ने बाहर निकाल कर इलाज के लिए भेजा। बस में कुल 15 लोग सवार बताए जा रहे। दुर्घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि परिवहन निगम की बस का दाहिनी तरफ का पूरा हिस्सा उड़ गया था। अंदर की सभी सीट क्षतिग्रस्त हो गई है।

चलती बाइक से सड़क पर गिरी महिला की हुई मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। मायके जा रही एक महिला असंतुलित होकर चलती बाइक से पक्की सड़क पर गिर गई। इससे वह गंभीररूप से घायल हो गई। परिजन महिला को लेकर इलाज के लिए लखनऊ जा रहे थे जहां रास्ते में मौत हो गई। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के कलकलवा गांव निवासी भोलानाथ वर्मा बुधवार शाम को अपनी पत्नी गौरा देवी (40) को मोटरसाइकिल पर बैठाकर पत्नी के मायके इंडो नेपाल मार्ग से होकर पड़ोसी राष्ट्र नेपाल स्थित खंड़ैचा गांव जा रहा था। इस दौरान मल्हीपुर थाना क्षेत्र स्थित सागरगांव के पास पहुंचते ही बाइक का पहिया सड़क के गड्ढे में चली गई। इससे गौरा देवी असंतुलित होकर उछल कर पक्की सड़क पर गिर गई और गंभीररूप से घायल हो गई। भोलानाथ की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए और महिला को लेकर जमुनहा बाजार स्थित निजी चिकित्सक के यहां पहुंचे। जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक की ओर से महिला को मेडिकल कालेज लखनऊ ले जाने की सलाह दी गई। इस पर परिजन निजी वाहन से महिला को लेकर लखनऊ जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में महिला की मौत हो गई। परिजन शव लेकर घर वापस आ गए और अंतिम संस्कार कर दिया।

बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक में करोड़ों का गबन, ब्रांच मैनेजर और क्लर्क फरार

संवाददाता—देवरिया। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के भवानी छापर बाजार स्थित बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक में एक करोड़ 73 लाख 50 हजार रुपए के गबन का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में ब्रांच मैनेजर और कार्यालय सहायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।वहीं मुकदमा दर्ज होने पर बैंक के कार्यालय सहायक और ब्रांच मैनेजर दोनों फरार है।

बैंक के ऑडिटर की टीम मौके पर पहुंचकर फाइलों की जांच में जुटी है। गबन का मामला खुलने पर ब्रांच के खाता धारक अपना अपना खाता चेक कराने बड़ी संख्या में आ रहे हैं। बैंक के बिहार बार्डर पर स्थित भवानी छापर बाजार में बड़ौदा यूपी ग्रामीण बैंक की शाखा है। तत्कालीन कार्यालय सहायक अभिषेक रंजन निवासी मुजफ्फरपुर की मिलीभगत से ब्रांच मैनेजर रोहित कुमार सिंह निवासी पटना ने अपने ओवरड्रॉफ्ट खाते से 10 और 11 जून 2024 को एक करोड़ 73 लाख 50 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिया था। अगले दिन घटना की जानकारी होने पर रिजनल मैनेजर देवरिया ने शाखा प्रबंधक और कार्यालय सहायक को निलंबित कर दिया था। तभी से दोनों फरार चल रहे हैं। रीजनल मैनेजर ने श्रीरामपुर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। वहीं बड़ौदा यूपी बैंक शाखा भिंगारी से मुकेश सिंह ब्रांच मैनेजर और बनकटा शाखा से आए अनुपम चौधरी को कार्यालय सहायक की जिम्मेदारी दी गई है। सीओ भाटपाररानी शिव प्रताप सिंह ने बताया कि शाखा प्रबंधक रोहित कुमार सिंह और कार्यालय सहायक अभिषेक रंजन के खिलाफ गबन का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस जांच कर रही है।

कार की टक्कर से ई-रिक्शा सवार पांच लोग जख्मी

संवाददाता—गोण्डा। कार चालक ने ई—रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में ई—रिक्शा चालक सहित पांच लोग घायल हो गए। आसपास के लोगों ने घायलों को निजी वाहन से स्थानीय सीएचसी भिजवाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद अधीक्षक ने चारों घायलों को मेडिकल कालेज गोंडा रेफर कर दिया। खरगूपुर—वीरपुर मार्ग पर खरगूपुर की तरफ एक ई—रिक्शा आ रहा था। वह भंगहा गांव के पास पहुंचा ही था कि खरगूपुर की ओर से आ रही कार ने टक्कर मार दी। हादसे में ई—रिक्शा चालक चरनदास(50) निवासी पटना कोठार कल्यानपुर श्रावस्ती व उसमें बैठे राजकली(50) पत्नी राज करन, जुबई (40) व चंदन(35) निवासी सरकांड थाना इटियाथोक घायल हो गए। वहीं, कार चालक जहांगीर खान निवासी मिनगा श्रावस्ती बाल—बाल बच गया। प्राथमिक उपचार के बाद अधीक्षक डॉ अजय यादव ने गम्भीर चारों घायलों को मेडिकल कालेज गोंडा रेफर कर दिया।

अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर सौंपा ज्ञापन

संवाददाता—बहराइच। देवरिया के जिलाधिकारी की ओर से अधिवक्ता के साथ किए गए दुर्व्यवहार एवं नायब तहसीलदार मिहींपुरवा के साथ यातायात पुलिस की ओर से किए गए अपमानजनक कृत्य को लेकर गुरुवार को नानपारा के अधिवक्ताओं ने एक दिवसीय कार्य बहिष्कार करते हुए राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। बार एसोसिएशन नानपारा अध्यक्ष मो अरशद व महामंत्री राम गोपाल वर्मा की अगुवाई मे तमाम अधिवक्ताओं ने उपजिलाधिकारी नानपारा अश्विनी पांडेय को ज्ञापन देकर उच्च स्तरीय जांच करवाकर कार्यवाही की मांग की।

बंद घर में खून से लथपथ मिला युवक का शव, शरीर के हिस्सों पर मिले चोट के निशान

संवाददाता—देवरिया। सलेमपुर के एक बंद घर में एक युवक का शव बरामद हुआ। वह घर पर अकेला रहता था। दुर्गंध आने पर बृहस्पतिवार की सुबह ग्रामीणों ने कोतवाली पुलिस को अनहोनी की आशंका जताते हुए सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के मौजूदगी में बंद घर का ताला खुलवाकर देखा तो एक कमरे में बेड के नीचे एक युवक का शव पड़ा हुआ था, जिसके सिर और पेट पर चोट के निशान थे। देख लोग हत्या की आशंका जता रहे थे। पंचनामा के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलौली सोहनाग गांव निवासी उपेंद्र गुप्ता (25) वर्ष पुत्र रामदेनी गुप्ता घर पर अकेला रहता था। उसके दो भाई मुंबई में रहकर प्राईवेट जॉब करते हैं। बृहस्पतिवार की सुबह उसके मकान से दुर्गंध आने लगी। लोगों ने संदेह होने पर इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब गेट का ताला तोड़कर अंदर गई तो एक कमरा में उपेंद्र का शव बेड के नीचे पड़ा हुआ था। यह देख सभी लोग अवाक हो गए। पुलिस ने उसके भाइयों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों के मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

ग्रामीणों के मुताबिक सोमवार की शाम वह घर पर दिखाई दिया था। लोगों का कहना था कि अगर वह बेड से गिरा होता तो पेट और सिर में इतनी गंभीर चोटें नहीं लगती। हालांकि इस मामले में कोतवाली पुलिस जाँच कर रही है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया कि घर के अंदर मिले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

आंधी व बारिश में टिनशेड गिरा बालिका की मौत, तीन घायल

संवाददाता—बहराइच। आंधी व बारिश के दौरान बुधवार की देर रात अलग—अलग हादसों में ईंट की दीवार व टिनशेड गिर गया। उसके नीचे दब कर एक बालिका की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए।

एक भैंस व एक भैसा की भी मौत हो गई। अनेक मकान, बिजली के खंभे व तमाम पेड़ धराशाई हो गए। कोतवाली नानपारा के ग्राम खैराकला में बुधवार की देर रात तेज आंधी में जुगुल शेख के घर की दीवार व टिनशेड भरभराकर गिर गया। जिसमें 10 वर्षीय शाबरुन उर्फ छोटी पुत्री जुगुल शेख की दीवार के नीचे दब कर मौत हो गई। जबकि आलमीन 13 वर्ष व महमूद 20 वर्ष पुत्रगण जुगुल शेख व नूरजहां पत्नी जुगुल शेख घायल हो गए। तीनों का स्थानीय डाक्टर के यहां इलाज चल रहा है। ग्राम चहलार में आंधी तूफान में पेड़ गिरने से छोटे पुत्र मोहिदीन की एक भैंस की दबकर मौत हो गई। ग्राम ककरहा बोधवा में छोटे लाल पुत्र बांके का टिनशेड गिरने से एक भैंसा की मौत हो गई। ग्राम धनौली खुर्द में कई मकान गिर गए। रात को आंधी इतनी तेज थी कि बाग में लगे कई पेड़ गिर गए।आंधी में आम का बहुत नुकसान हुआ है। तहसीलदार नानपारा अजय कुमार यादव ने बताया कि आंधी से हुई छति का आकलन कराया जा रहा है। जल्द ही सहायता दी जाएगी।

सेटेलाइट सेंटर से स्वायत्तशासी मेडिकल कालेज एक माह बाद होगा शुरू

संवाददाता—बलरामपुर। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर तैयार हुआ केजीएमयू का सेटेलाइट सेंटर अब स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज हो गया है। जिलाधिकारी अरविंद सिंह के प्रयास के बाद अब इसे एक माह के भीतर शुरू करा दिया जाएगा। इसको लेकर शासन से पत्र भी जारी हो गया है। 300 बेड वाले इस मेडिकल कॉलेज में 20 विभाग खोले जाएंगे। जहां पर विशेषज्ञ चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती होगी। शुरुआती दौर में यहां 100 सीटों पर एमबीबीएस के छात्रों को दाखिला मिल सकेगा। यह जिलेवासियों के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। संयुक्त जिला चिकित्सालय के बगल पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर केजीएमयू का सेटेलाइट सेंटर बनकर तैयार हो गया है। लोकसभा चुनाव के पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका लोकार्पण भी कर दिया था, जिसके बाद मेडिकल कॉलेज के संचालन की उम्मीद जगी थी। पहले यह मेडिकल कॉलेज को केजीएमयू लखनऊ का सेटेलाइट सेंटर बनना था, लेकिन परिस्थितिवश इसे अब स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज का दर्जा दे दिया गया है। जिसे लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने लेटर भी जारी कर दिया है। जिलाधिकारी अरविंद सिंह की मानें तो आगामी एक माह में मेडिकल कॉलेज का संचालन शुरू करा दिया जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। बीते फरवरी व मार्च महीने में डीएम अरविंद सिंह ने व्यक्तिगत रूप से प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा से सम्पर्क व वार्ता कर इस सेटेलाइट सेंटर को स्वतंत्र राजकीय मेडिकल कॉलेज बनाने का प्रयास शुरू किया था। उनका प्रयास रंग लाया। पिछले मार्च माह में शासन ने सर्वोच्च स्तर पर तथ्यात्मक रूप से प्रस्तुत किए गए केजीएमयू से मेडिकल कॉलेज का संचालन यहां पर संभव नहीं हो पा रहा था। बेवजह संचालन में विलंब भी हो रहा था। जिसके बाद इसे राजकीय मेडिकल कॉलेज का अब दर्जा दे दिया गया है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में

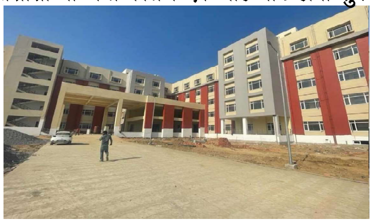

प्रोफेसर्स, डाक्टर्स व अन्य मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति चूंकि उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग को करनी होती है, जिसमें काफी समय लगता है। इसे दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने पुनः शासन स्तर पर प्रयास किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जल्द ही नियुक्ति प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

बलरामपुर में मेडिकल कॉलेज संचालन के लिए संयुक्त टीम का गठन किया गया है। मेडिकल कॉलेज के संचालन के लिए निदेशक मेडिकल कॉलेज उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई है, जिसमें बहराइच मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य व अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप कुमार को इसमें शामिल किया गया है। समिति शासन व जिलाधिकारी को बताएगी कि मेडिकल कॉलेज का संचालन कैसे किया जाएगा। जल्द ही यह टीम स्थलीन निरीक्षण कर जुलाई माह में मेडिकल कॉलेज को शुरू कराने की रूपरेखा तैयार करेगी।

केजीएमयू के कुलपति के एक आदेश के मुताबिक बलरामपुर में बने सेटेलाइट सेंटर परिसर में भूतल को मिलाकर कुल छह तल होंगे। इसके तहत बेसमेंट में किचन, लांड्री व रेडियोलाजी विभाग होगा। कुलपति के अनुसार भूतल पर प्रशासनिक भवन, पैथालॉजी व मरीजों को मिलने वाली अन्य बुनियादी सुविधाएं मौजूद होंगी। भवन के दूसरे तल पर ओटी व वार्ड होंगे। दूसरी और चौथी मंजिल पर विभिन्न विभागों के दस वार्ड बनाए जाएंगे। इसमें मेडिसिन, सर्जरी, पेडियाट्रिक व आर्थोपेडिक के लिए 60—60 बेड के वार्ड बनाए जाएंगे। मिली जानकारी के अनुसार सेटेलाइट सेंटर में बनने वाले रेडियोथेरेपी, अपथल्मोलॉजी व फिजियो समेत अन्य विभागों के दस दस बेड के वार्ड होंगे। इसके अलावा 20 बेड का पोस्ट आपरेटिव वार्ड होगा। इसमें 11 बेड आईसीसीयू, पांच बेड एसआईसीयू व चार बेड सीसीयू के रहेंगे। इसके अलावा विशिष्ट विधाओं की छह अलग अलग आपरेशन थियेटर शुरू किए जाएंगे इससे जनपद के मरीजों को बेहतर चिकित्सीय सुविधा मिल सकेगी। साथ ही टेलीमेडिसिन के जरिए भी मरीजों का इलाज किया जाएगा। 300 बेड के क्षमता वाले इस सेटेलाइट सेंटर में संयुक्त जिला चिकित्सालय को समाहित करने के बाद यह 400 बेड का अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज होगा।

बलरामपुर के इस केजीएमयू सेटेलाइट सेंटर में एमबीबीएस के लिए 100 सीटें होंगी। केजीएमयू के सचिव के पत्र के अनुसार लोकार्पण के पूर्व यहां पर प्राचार्य की भी नियुक्ति कर दी जाएगी। सेटेलाइट सेंटर में 20 विभाग खोले जाएंगे। इसमें प्रमुख रूप से एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायोकेमिस्ट, रेडिया डायगनोसिस, एनेस्थिसिया, पैथालॉजी, माइक्रो बायोलोजी, फोरेन्सिक मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन, जनरल मेडिसिन, पीडियाट्रिक्स, ईएनटी, डरमेटोलॉजी, साइकेट्री, जनरल सर्जरी, आर्थोपेडिक्स, आप्स एण्ड गायनी तथा डेन्टिस्ट विभाग खोजे जाएंगे। इन सभी विभागों में केजीएमयू लखनऊ अपने विशेषज्ञ चिकित्सकों व कर्मियों की नियुक्ति करेगा।

भगवान राम ने दुनिया को दिया मानवता का संदेश —तुलछाराम

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। भगवान श्री राम की जन्मस्थली श्रीधाम अयोध्या के पावन भूमि पर श्री खेतेश्वर ब्रह्मधाम तीर्थ आसोतरा बालोतरा राजस्थान के कुलगुरु खेताराम महाराज सत्प्रेरणा से श्री तुलछाराम महाराज के पावन सनिध्य में ध्यानाराम महाराज के संयोजन में सप्त दिवसीय श्री राम यज्ञ आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान के साथ—साथ देश के कोने—कोने से पधारे भक्तों ने सदगुरुदेव भगवान के सानिध्य में अयोध्या वास कर यज्ञ में सम्मिलित होने का लाभ प्राप्त किया और बुधवार की शाम को श्री राम आश्रम के पीठाधीश्वर महंत जयराम दास वेदांती महाराज के संयोजन में संत सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पीठाधीश्वर अग्रदेवाचार्य राघवाचार्य महाराज ने किया और कहा कि यह पावन पुनीत अयोध्यानगरी है। जहां प्रभु श्रीराम ने अवतार लिया। श्रीराम ने पूरी दुनिया को मानवता का पाठ पढ़ाया। अयोध्या सप्तपुरियों में मस्तक के समान है। जिसे मोक्षदायिनी नगरी कहा गया है और जब जन्मों का पुण्य जागृत होता है तब मनुष्य को यहां आने का अवसर प्राप्त होता है इसलिए श्री तुलछाराम महाराज के सनिध्य में आप सबको अवध दर्शन का लाभ

प्राप्त हुआ।स्वामी तुलछाराम महाराज ने कहा कि भगवान राम ने दुनिया को मानवता का संदेश दिया।

जगद्गुरु स्वामी रामदिनेशाचार्य ने कहा कि अयोध्या की भूमि कोई साधारण भूमि नही है। यहां का एक कण अगर मस्तक पर पड़ जाए। तो उसकी साधना पूर्ण हो जायेगी। परमात्मा भाव के भूखे हैं। अयोध्या की धरती ब्रह्म रज से विभूषित है। श्रीराम का चरित्र प्रासंगिक है। पूरे विश्व को चरित्र देने का काम श्रीराम ने किया है। मंगलभवन पीठाधीश्वर महंत कृपालु रामभूषण दास ने कहा कि अयोध्या की महिमा निराली है। इसलिए सेवा सभी नगरियां करती हैं। ब्रह्मा जी जगत के रचयिता हैं। संत सम्मेलन का संचालन महंत जयरामदास वेदांती ने किया।अंत में स्वामी तुलछाराम महाराज के उत्तराधिकारी ध्यानाराम ने पधारे हुए संत—धर्माचार्यों का अंगवस्त्र ओढ़ाकर एवं भेंट—विदाई कर स्वागत—सम्मान किया। सम्मेलन में जगन्नाथ मंदिर के महंत राघव दास, रामहर्षण कुंज महंत अयोध्या दास, डाड़िया मंदिर के महंत महामंडलेश्वर गिरीश, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, भागवत विद्यापीठ के महंत नव्यन्यायाचार्य महंत तुलसीदास, रामचरित मानस विद्यापीठ महंत कमलादास रामायणी, श्रीरामकृष्ण मंदिर महंत गणेशानंद दास, सरयूकुंज महंत रामामिलन शरण, विश्वकर्मा पांचाल मंदिर के महंत महेश दास, रामचरितमानस भवन के महंत अवधबिहारी दास, खाकचौक के महंत अयोध्या दास ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महंत अंजनी शरण, आचार्य कृष्णचंद्र ठाकुर, स्वामी गयाशरण, संतदास आदि संत—महंत एवं भक्तजन मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पंचायत भानपुर, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

अपने दुकान के 10 मीटर परिधि में गंदगी न किये जाने हेतु

नगर पंचायत भानपुर बस्ती सीमान्तर्गत स्ट्रीट फूड वेन्डर, पान स्टॉल, खाद्य पदार्थो के विक्रेताओ आदि को सूचित किया जाता है कि आप सभी अपने—अपने प्रतिष्ठानो से उत्पादित होने वाले अपशिष्ट पदार्थो को एकत्रित करते हुए हरे एवं नीले रंग के दो डस्टबीन को अनिवार्य रूप से रखे तथा डस्टबीन मे एकत्रित होने वाले अपशिष्ट को नगर पंचायत के वाहनों में ही उपलब्ध कराए ताकि आपके प्रतिष्ठान से उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट पदार्थो को सार्वजनिक स्थानो पर फेंके जाने से गंदगी उत्पन्न न हो तथा यह भी सुनिश्चित करें कि आपके आस—पास के 10 मीटर की परिधि में किसी भी प्रकार की गंदगी सार्वजनिक स्थल पर पायी जाती है तो उस क्षेत्र में स्थित सम्बन्धित समीपस्थ दुकानदार/वेंडर के विरूद्ध सुसंगत नियमो के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। यदि अन्य कोई व्यक्ति गंदगी करता पाया जाता है तो उसकी सूचना नगर पंचायत कार्यालय अथवा निकाय के हेल्पलाइन नम्बर पर 7458925500 दें।

अधिशासी अधिकारी — नगर पंचायत भानपुर बस्ती

प्रशासक — नगर पंचायत भानपुर बस्ती/ अपर जिलाधिकारी वि0रा0, बस्ती

पत्रांक—63/एस0बी0एम0/ न0पं0भा0/2024—25   दिनांक 19.05.2024

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में खाई में पलटी ऑल्टो कार, एक की मौत आठ घायल

संवाददाता—गोण्डा। जिले के गौरा चौकी बभनान मार्ग पर तरैनी गांव के पास एक अनियंत्रित ऑल्टो कार खाई में पलट गई। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। सभी घायलों को कार से बाहर निकाला गया। इस हादसे में कार चालक की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में महिलाएं बच्चे शामिल हैं। सभी लोग एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां पर एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। जिले के कूकनगर ग्रांट के रहने वाले मनीष ऑल्टो कार लेकर अपनी ससुराल गए थे। बृहस्पतिवार को वह वापस अपने घर जा रहे थे। लौटते समय गौरा चौकी बभनान मार्ग पर तरैनी के पास उनके कार के सामने एक बाइक सवार आ गया। बाइक सवार को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित हो गयी। सड़क किनारे गड्ढे में पलट गयी। इस दुर्घटना में मनीष श्रीवास्तव (35), पत्नी वंदना श्रीवास्तव उर्फ कोमल (28) मयंक श्रीवास्तव (15) बादल श्रीवास्तव (25), मन्नत श्रीवास्तव (7), रुही श्रीवास्तव (12), महक श्रीवास्तव (8) व पूर्ति श्रीवास्तव (22) घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां से सभी को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। अस्पताल ले जाते समय कार चालक मनीष श्रीवास्तव की मौत हो गयी। जबकि बादल श्रीवास्तव (25) की हालत गंभीर बतायी जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

माटीकला व्यवसायियों को दिया जा रहा ऋण

संवाददाता—श्रावस्ती। माटीकला को बढ़ावा देने के लिए इससे जुड़े लोगों को ऋण देने की व्यवस्था है। जिससे व्यक्तिगत इकाईयां स्थापित करायी जाएंगी। योजना का मुख्य उद्देश्य माटीकला को बढ़ावा देना व इस कला से जुड़े लोगों को रोजगार मुहैया कराना है।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रोशन लाल पुष्कर ने बताया कि माटीकला को बढ़ावा देने के लिए मिट्टी के बर्तनों व खिलौनों, मूर्तियों आदि को बनाने वाले कुम्हारों व कारीगरों को भविष्य में आधुनिक चाक भट्ठी व मिट्टी गूंथने की मशीन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना के तहत खिलौना निर्माण, घरेलू उपयोग के उत्पाद प्रेशर कुकर, घड़ा, सुराही, जग, कुल्हड़, गिलास, अचारदान, कटोरी, कप—प्लेट, डोंगे आदि के साथ ही भवन निर्माण सामग्री, फ्लोर टाइल्स, रूफ टाइल्स, लैट्रीन पैन पाइप, वॉश बेसिंग आदि व्यासायिक गतिविधियां जुड़ी हैं। उद्योग स्थापित करने के उद्देश्य से प्रशिक्षित अभ्यर्थियों को 10 लाख रुपये प्रोजेक्ट पर बैंक के माध्यम से ऋण स्वीकृत कराये जाने का प्राविधान है। प्रोजेक्ट लागत का 05 प्रतिशत मार्जिन मनी खुद के अंशदान के रूप में जमा कराया जाएगा।

स्वीकृत धनराशि पूंजीगत ऋण धनराशि के 25 प्रतिशत तक की धनराशि लाभार्थियों को मार्जिन मनी के रूप में प्राप्त होगी। इस योजना के तहत व्यक्तिगत इकाईयां ही स्थापित करायी जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिनकी उम्र 18 से 55 वर्ष के मध्य हो वे अपना आवेदन जिला ग्रामोद्योग कार्यालय श्रावस्ती में 30 जून तक जमा कर सकते हैं। आवेदन करने के लिए दो फोटो, आधार कार्ड, राशन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र व प्रोजेक्ट रिपोर्ट आदि प्रपत्रों की आवश्यकता होगी।

इंस्टाग्राम से प्यार चढ़ा परवान, प्रेमी युगल ने खाया जहर, प्रेमी की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। इंस्टाग्राम के जरिए प्रेमी युगल के बीच पहले दोस्ती और फिर प्यार हुआ। युवक शादीशुदा था। इसी के चलते युवती के घरवाले शादी के लिए राजी नहीं हुए। ये बात प्रेमी युगल को नागवार गुजरी। दोनों बृहस्पतिवार को पहले शिव बाबा धाम पहुंचे और शादी की। फिर दोनों ने अंबेडकर पार्क में जहर खा लिया। प्रेमी की जिला अस्पताल में मौत हो गई। प्रेमिका को गंभीर दशा में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। सम्मनपुर थाना के लारपुर बक्सपुर का सूरज वर्मा (36) पत्नी सरिता और दो बच्चों परी और मिट्ठू के साथ दिल्ली में रहता था। करीब छह माह पहले सूरज की इंस्टाग्राम के जरिए अयोध्या के महराजगंज थाना क्षेत्र की 19 वर्षीय युवती से मित्रता हुई। दोनों का प्यार परवान चढ़ा और उन्होंने शादी करने की ठान ली। ये बात युवती के घरवालों को पता चली तो उन्होंने शादीशुदा युवक से बेटी का रिश्ता करने से मना कर दिया। परिवार के लोगों के राजी न होने पर भी उन दोनों ने शादी की जिद नहीं छोड़ी।

28 मई को सूरज दिल्ली से अपने गांव आ गया। सूरज के करीबी रिश्तेदार ने बताया कि बृहस्पतिवार को सूरज और युवती शिव बाबा धाम पहुंचे। वहां दोनों ने शादी की और फिर दोपहर में अकबरपुर नगर क्षेत्र के अंबेडकर पार्क पहुंचे। दोनों ने वहीं जहरीला पदार्थ खा लिया। दोनों की हालत बिगड़ते देख पार्क में मौजूद लोगों ने अकबरपुर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने सूरज को मृत घोषित कर दिया।

युवती को प्राथमिक उपचार के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर रेफर कर दिया गया। उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। कोतवाल बीरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि युवक और युवती के घरवालों ने अभी तक तहरीर नहीं दी है। घटना की गहनता से तहकीकात की जा रही है।

सूरज दिल्ली में कैंटीन चलाता था। वह पत्नी और बच्चों के साथ 28 मई को दिल्ली से गांव आया था। कुछ दिन पहले ही उसने पत्नी और बच्चों को वापस दिल्ली भेज दिया था। गांव में रहने वाले परिजनों ने बताया कि सूरज एक हफ्ते से घर नहीं आया था। उसकी खोजबीन की जा रही थी कि इसी बीच उसके दोस्त के जरिए पता चला कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है।

29 जुलाई से तीन अगस्त के विशेष लोक अदालत

संवाददाता–गोरखपुर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक विशेष लोक अदालत एवं 13 जुलाई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। इसमें अधिकाधिक वादों का निस्तारण कराए जाने के उद्देश्य से गुरुवार को जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी की अध्यक्षता में विभिन्न विभाग के प्रशासनिक अधिकारियोंध्नोडल अधिकारियों के साथ बैठक की गई। यह जानकारी अपर सत्र न्यायाधीशध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद न्यायाधीश द्वारा उपस्थित अधिकारियों को उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली में 29 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित विशेष लोक अदालत एवं 13 जुलाई को गोरखपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकाधिक वादों का निस्तारण कराए जाने के लिए निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त सभी प्रशासनिक अधिकारियोंध्नोडल अधिकारियों को उक्त लोक अदालत का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराए जाने के लिए निर्देशित किया।

मलौनी बांध में बनी सुरंग की मरम्मत में लोक निर्माण विभाग के कर्मी जुटे

संवाददाता–गोरखपुर। राप्ती नदी पर नौसढ़ से लेकर तरकुलानी तक तकरीबन 30 किलोमीटर लम्बाई के मलौनी बांध पर बनी डबल लेन सड़क में सुरंग की मरम्मत का काम गुरुवार को लोक निर्माण विभाग ने शुरू कर दिया। इससे आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। डीएम ने राजस्व विभाग, सिंचाई विभाग और लोक निर्माण विभाग को इसके मरम्मत का निर्देश दिया था। इसके बाद जिम्मेदार मौके पर पहुंचे और सीमेंट और कंक्रीट से सड़क में बने होल को भरना शुरू कर दिया। लेकिन ग्रामीणों ने इसका यह कहते हुए विरोध शुरू कर दिया कि इस तरह होल को भरने पर बाढ़ के सीजन में बंधा कट जाएगा। इसलिए खुदाई कर बांध के आर–पार हुई सुरंग को भरा जाए। ग्रामीणों के दबाव को देखते हुए जेसीबी से सड़क की खुदाई की गई। इसके बाद होल को भरने का काम शुरू हुआ। इस दौरान मौके पर मौजूद सूरज साहनी, हरिकेश मौर्या और अधिवक्ता भूपेंद्र दत्त पाण्डेय का कहना है कि हाल के महीनों में इस पूरी सड़क की करोड़ों रुपये से मरम्मत की गई है।

एसपी कार्यालय पहुंची युवती ने आत्मदाह का किया प्रयास

संवाददाता–संतकबीरनगर। एसपी को दिए अपने शिकायत पत्र में युवती ने बताया कि वह 16 जून को वह अपने सहेली से मिलने रेलवे क्रासिंग पार जा रही थी। रास्ते में आरोपी खलीलाबाद का युवक जबरन उसे अपनी गाड़ी में बैठाने लगा। उसके न बैठने पर वह सिगरेट से जलाकर गाड़ी में धकेल दिया। गाड़ी में पहले से ही मौजूद एक युवक और आरोपी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। खलीलाबाद शहर में रहने वाली एक युवती ने दो लोगों पर केस में सुलह न करने पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। इसके साथ पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप मढ़ते हुए वह बृहस्पतिवार को एसपी कार्यालय पहुंच गई। अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। इसके बाद एसपी कार्यालय पर हडकंप मच गया। किसी तरह महिला पुलिस कर्मियों ने उसे अपने कब्जे में ले लिया और उसे महिला थाने भेज दिया गया। एसपी को दिए अपने शिकायती पत्र में युवती ने बताया कि वह 16 जून को वह अपने सहेली से मिलने रेलवे क्रासिंग पार जा रही थी। रास्ते में आरोपी खलीलाबाद का युवक जबरन उसे अपनी गाड़ी में बैठाने लगा। उसके न बैठने पर वह सिगरेट से जलाकर गाड़ी में धकेल दिया। गाड़ी में पहले से ही

मौजूद एक युवक और आरोपी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किए। आरोपी कहे कि इसे मार डालों, पुराना मुकदमा समाप्त हो जाएगा। किसी तरह वह अपनी जान बचाकर बाहर निकली तो दोनों उसे हाकी से मारकर पैर तोड़ने का प्रयास करने लगे, जिससे उसकी मौत हो जाए। संयोग से ही वह बच पाई। इसके बाद जब वह यूपी 112 पर फोन करने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन तोड़ दिया। शिकायत के बाद भी स्थानीय पुलिस मामले में केस दर्ज नही की। युवती ने एसपी से मामले में दोनों आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने की गुहार लगाया।

एसपी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि मामले की जानकारी की जा रही है। घटना में जो सत्यता मिलेगा, उसके अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

महंगाई के चलते दाल–सब्जी गरीबों की थाली से हो रही दूर

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा तहसील क्षेत्र में सब्जी व दाल की महंगाई आसमान छूती नजर आ रही है। जिससे गरीबों की थाली से अब दाल व सब्जी दोनों गायब होने लगी है। सबसे अधिक समस्या मध्यम वर्गीय परिवार की है जो अपना दर्द किसी से बयां भी नहीं कर पा रहे हैं और नमक–रोटी में अपना गुजारा कर रहे हैं।

धनघटा तहसील क्षेत्र में अरहर की दाल का 150 से लेकर 170 रुपए किलो तक बिक रही है, तो वहीं चना की दाल का मूल्य 90 रुपए तक पहुंच गया है। मटर की दाल का मूल्य 70 से 80 रुपए तक है। वही सब्जी को देखा जाए तो आलू 25 से 30 रुपए किलो, प्याज 32 रुपए किलो, करेला 60 रुपए किलो, लौकी 60 रुपए किलो, सरपुतिया 55 से 60 रुपए किलो, नेनुआ 50 से 55 रुपए किलो, बैगन 50 से 60 रुपए किलो के भाव बिक रहा है। अब मध्यम वर्गीय परिवार के साथ–साथ जिस गरीब का परिवार लंबा है वह सब्जी और दाल खाने में भी महंगाई की मार झेल रहा है। क्षेत्रीय निवासी राम सकल, हरीराम, जगनारायण, सुरेश, भुअर आदि लोगों का कहना है कि महंगाई के चलते दाल–रोटी का भी इंतजाम कर पाना मुश्किल हो गया है। इस सीजन में सब्जियों की बढ़ी महंगाई की वजह मौसम को माना जा रहा है। सब्जी की खेती करने वाले किसानों का कहना है कि लगातार पड़ रही गर्मी से फसल तैयार करने की लागत बढ़ रही है। सब्जी की खेती करने वाले दयालु, शिवप्रसाद, रमेश, भरत भुआल, पतिराम आदि का कहना है कि जहां सामान्य तौर पर सप्ताह भर में एक बार सिंचाई की जाती थी वहीं सप्ताह भर में दो बार सिंचाई करनी पड़ रही है। इसकी वजह से फसल बचाने के लिए की जा रही सिंचाई से लागत बढ़ रही है।

बैंकिंग सेवा 21 से 24 जून तक प्रभावित रहेगी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ककरहवा कस्बा में स्थित बड़ौदा यूपी बैंक में सर्वर सेटिंग व तकनीकी उन्नयन के कारण बैंकिंग सेवाएं 21 से 24 जून तक प्रभावित रहेंगी। उपभोक्ता 20 जून तक अपनी आवश्यकतानुसार बैंकिंग लेन–देन कर लें। यह जानकारी बड़ौदा यूपी बैंक ककरहवा के शाखा प्रबंधक इंदु भूषण त्रिपाठी ने दी है।

बारिश के बाद घोरही नदी में पहुंचा पानी, राहत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र के भारत–नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र से बहने वाली पहाड़ी नदी घोरही में बुधवार की रात हुई बारिश के बाद पानी आने से जलधारा बहने लगी। नदी में पानी पहुंचने से पशु पक्षियों को राहत मिलेगी। नदी–नालों में पानी न होने से नदी के आसपास के पशु पक्षियों को पानी के लिए दुश्वारियों का सामना करना पड़ता है। अभी भी कई नाले, नदी, पोखरे, तालाब सूखे पड़े हैं।

पहली बारिश और 35 हजार से अधिक घरों में बत्ती गुल

संवाददाता–गोरखपुर। प्री मासून के पहले बिजली निगम वितरण खंड के अभियंताओं के पेट्रोलिंग में कमी रही गई। नतीजा, पहली बारिश के दौरान ही शहर के कई बिजली घरों से बिजली आपूर्ति घंटों गुल रही। अनुमान के मुताबिक, पहली बारिश में ही 50 हजार से अधिक घरों की बत्ती गुल रही। देर रात 12 बजे से बाद से सुबह साढ़े आठ बजे तक बिजली आपूर्ति प्रभावित थी। इस दौरान सबसे अधिक दिक्कत घरों में पानी का संकट हो गया। दरअसल, बरहुआं ट्रांसमिशन से 33 हजार की लाइन घर के बिजली घरों तक आती है। इस लाइन की पेट्रोलिंग और मरम्मत का जिम्मा वितरण खंड के अभियंताओकिा होता है। बुधवार की रात में बारिश होने के साथ ही इस लाइन पर ट्रिपिंग शुरू होने लगी। ऐहतियात में बरहुआ से इन लाइनों को बंद करना पड़ा। रात में ही पेट्रोलिंग के दौरान पता चला कि कई जगह लाइन पर पेड़ की डाली लटकी हुई है, जिससे बार–बार ट्रिपिंग हो रही। बारिश के बीच ही इन डालियों की छंटाई का काम शुरू किया गया। इससे कई बिजली घरों की लाइन बंद करना पड़ गया।

बुधवार की रात सबसे अधिक दिक्कत लालडिग्गी(मिर्जापुर फीडर), रूस्तमपुर, नार्मल, रानीबाग, विष्णुपूरम, बक्शीपुर इलाके में हुई। यहां रात 12 बजे से बाद बिजली गुल हुई, जो सुबह 9 बजे तक बहाल हो सकी। हालांकि, बिजली निगम का दावा इससे अलग है। दावे के मुताबिक, आधे से एक घंटे तक की कटौती हुई थी। बिलंदपुर के मनोज ने बताया कि इलाके में रात 12 बजे बिजली आपूर्ति गुल हुई थी, जो सुबह 5 बजे शुरू हो सकी। बारिश होने से गर्मी तो नहीं थी, लेकिन फिर भी पानी की कमी से सुबह काम प्रभावित हो गया। जगन्नाथपुर के नवीन पांडेय ने बताया कि उनके घर आधी रात के बाद से लेकर सुबह तक बिजली आपूर्ति गुल रही। सुबह आपूर्ति प्रभावी होने के बाद राहत की सांस ली। विष्णुपुरम के विवेक ने बताया कि रात में दो बजे करीब बिजली आपूर्ति गुल हो गई थी। सुबह चार बजे के बाद आपूर्ति आई। ऐसे ही बिछिया के राजकपूर ने बताया कि बारिश शुरू होने के साथ ही बिजली आपूर्ति गुल हो गई। बताया कि बिछिया में पूरे दिन बिजली का संकट बना रहा। इसके बाद रात 12:30 बजे से 3 बजे भोर तक दिक्कत थी।

बिजली निगम के अभियंता सुचनाएं भी छिपाते हैं। जैसे, बरहुआ से बिजली आपूर्ति किसी भी प्रकार से प्रभावित होने पर लिखा–पढ़ी में दर्ज हो जाता। लेकिन, बिजली घर से जाने वाली लाइन और ट्रांसफार्मरों के खामी की वजह से होने वाली आपूर्ति को रिकार्ड में नहीं लेते। सूत्रों की मानें तो इसी वजह से तो बृहस्पतिवार को सिर्फ तीन बिजली घर से बिजली आपूर्ति प्रभावित दिखाई गई। जबकि, मोहद्दीपुर, बिछिया, बक्शीपुर, राप्तीनगर, शाहपुर, गोरखनाथ, जाफरा बाजार, विष्णुपुरम, नंदा नगर, सैनिक विहार समेत अन्य इलाकों में भी बिजली गुल रही, लेकिन रिकार्ड में नहीं लिया गया।

गोरखपुर मंडल के नए मुख्य अभियंता आशुतोष श्रीवास्तव ने एक दिन पहले ही अपना चार्ज लिया है। इनके सामने अभी सबसे बड़ी चुनौती है कि वो बिजली आपूर्ति की व्यवस्था को मानसून में प्रभावित न होने दें। मानसून के दौरान हाईटेंशन लाइन से बंद होने बिजली आपूर्ति के अलावा बिजली घरों से निकलने वाली आपूर्ति को प्रभावी बनाए रखना एक बड़ा चौलेंज होगा। मुख्य अभियंता आशुतोष श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश की वजह से बिजली आपूर्ति की दिक्कत रही थी। कई जगहों पर रीस्टोर करवा ली गई है, जबकि कुछ जगहों पर जल्द ही हो जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत पचारी कला वि0ख0- रूधौली जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 21–06 2024 से 27–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 12.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 28–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 10.30 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खड़ंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(बुधिराम) ग्राम प्रधान **(शैलेन्द्र त्रिपाठी)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /20.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत अमोढ़ा वि0ख0- विक्रमजोत जनपद- बस्ती

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में 15 वां केन्द्रीय वित्त आयोग/राज्य वित्त आयोग/अंत्येष्टि स्थल/राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान/मनरेगा/ स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) योजनान्तर्गत प्राथमिक विद्यालय/ पंचायत भवन/मनरेगा पार्क एवं अन्य सार्वजनिक भवनों के अनुरक्षण, सुन्दरीकरण एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 21–06 2024 से 26–06–2024 तक कार्यालय कार्य दिवस में अपरान्ह 11.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सील बंद निविदा जमा कर सकते है। दिनांक 27–06–2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी या निर्माण समिति के सदस्यों के समक्ष अपरान्ह 2.00 बजे खोली जायेगी, निविदा फर्म पैड पर होगी।

क्र.सं.	परियोजना का नाम	मात्रा (प्राक्कलन के अनुसार	शिड्यूल रेट के अनुसार (निम्नतम दर पर
1	टाइल्स, शुलभ/सामुदायिक शौचालय		
2	सीमेन्ट, बालू, गिट्टी, छड़		
3	ईंट, हैण्डपम्प रिबोर, हरा चारा, सूखा चारा, चुन्नी सीमेंटेड ईंट		
4	पलम्बरी सामग्री, खेल कूद के मैदान पर खेल कूद की सामग्री		
5	समर्सिबल, विद्युत तार, जलसंचयन सम्बन्धी कार्य		
6	इण्टरलाकिंग टाइल्स सामग्री गोवंश आश्रय केन्द्र पर भूसा अन्य		
7	डेस्क, बेंच फर्नीचर/आलमारी		
8	ग्रीन बोर्ड पर्दा, अन्त्येष्टी स्थल, सूखा–गीला कचरा प्रबंधन व कम्पोस्ट गड्ढ़ा इत्यादि		
9	भूसा, वृक्षारोपण (पौधा कम से कम 6 फीट का होना चाहिए)		
10	कंस्ट्रक्शन ज्वाइंट, आंगनबाड़ी केन्द्र		
11	नाली निर्माण सामग्री, पंचायत भवन		
12	खड़ंजा, सोख्ता, सोलर लाईट, स्ट्रीट लाईट		
13	योगा/व्यायाम सामग्री, मॉडर्न वृक्षारोपण, ह्यूम पाईप, सी.सी. टीवी कैमरा ए.सी.पी. बोर्ड, दिशा सूचक/साईन बोर्ड/शिलापट्ट या फैन्सग्रास		
14	पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, आपरेशन कायाकल्प, फागिंग मशीन, लाल ईंट आदि।		

प्रतिबंध एवं शर्ते– सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे। समाग्री की मात्रा स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री की आपूर्ति ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी अथवा नही। आपूर्तिकर्ता वाणिज्यकर एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुत दर पी.डब्लू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रू0–50 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत वाणिज्यकर एवं 2.24 प्रतिशत आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

(रीना देवी) ग्राम प्रधान **(आशीष श्रीवास्तव)** ग्रा0पं0/ग्रा0वि0अधि0

पत्रांक मेमो /20.06.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

सड़क-नाली निर्माण के लिए प्राधिकरण उपाध्यक्ष को सौपा ज्ञापन

संवाददाता–गोरखपुर। वैशाली कॉलोनी जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों ने गुरुवार को जीडीए उपाध्यक्ष आनंद वर्द्धन से मुलाकात कर मोहल्ले में नाली एवं सड़क का निर्माण करने की मांग की। उन्होंने कहा कि अब तक कॉलोनी में 70 के करीब मकान बन गए हैं।

वर्तमान में न नाली का निकास है न ही सड़क की मरम्मत हो रही है। सड़क एवं नाली की तत्काल मरम्मत कराए जाने की आवश्यकता है।

ज्ञापन सौपने वालों में समिति के अध्यक्ष सुभाष सिंह, महासचिव संतोष कुमार सिंह अधिवक्ता, उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष सत्येंद्रराम त्रिपाठी, सचिव विकास कुमार नायक, संगठन मंत्री मृत्युंजय सिंह, सदस्य अखिलेश चंद, विपिन कुमार राय, राकेश कुमार त्रिपाठी, अमित कुमार मिश्रा, सूरज यादव उपस्थित रहे।

पांच हजार दीजिए, तीन घंटे में मिल जाएगा आयुष्मान कार्ड– जमकर हो रही धंधेबाजी

संवाददाता–गोरखपुर। आयुष्मान कार्डधारकों के लिए ऑपरेशन समेत महंगे इलाज का खर्च सरकार वहन करती है। आयुष्मान कार्ड के लिए मानक भी तय हैं और इसके लिए सूची भी बनी है। लेकिन इसमें भी अब धंधेबाजी शुरू हो गई है। सरकारी अस्पताल में घूम रहे निजी अस्पतालों के दलाल पांच हजार रुपये में दो से तीन घंटे में आयुष्मान कार्ड बनाकर दे दे रहे हैं। कार्ड एक्टिवेट होने के 12 घंटे बाद उपकरण की खरीद होगी और अगले पांच दिन बाद वह निरस्त भी हो जाएगा। एक्स–रे कक्ष के आसपास मंडराने वाले दलाल यहां से मरीज को सीधे पहले से तय निजी अस्पताल ले जाते हैं। वहां इलाज का खर्च वाजिब से डेढ़ गुना अधिक लिया जाता है। जिले में करीब नौ लाख आयुष्मान कार्डधारक हैं। इन कार्डधारकों को पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मिलती है। करीब ढाई सौ निजी अस्पताल आयुष्मान कार्डधारकों को इलाज की सुविधा देते हैं। इनमें से कई अस्पताल तो ऐसे हैं जो केवल आयुष्मान कार्डधारकों के भरोसे ही चल रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के एक्सरे और अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर निजी अस्पतालों के दलाल घूमते रहते हैं। वह जैसे ही किसी मरीज को गंभीर अवस्था में देखते हैं तो वहां खुद ही किसी मरीज का तीमारदार बनकर बातचीत करने लगते हैं। बातों–बातों में बीमार और डॉक्टर आदि का नाम पूछने के बाद उसे सरकारी खर्च पर ही निजी अस्पतालों में बेहतर इलाज का भरोसा दिलाते हैं। अगर मरीज के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, तो उसे सिर्फ 5000 रुपये में ही आयुष्मान कार्ड भी मिल जाएगा। फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने का यह खेल एक खास सॉफ्टवेयर के चलते हो रहा है। एक जानकार ने बताया कि जिस मरीज के नाम पर कार्ड बनाना होता है, अगर उसका नाम सूची में नहीं है, उसके नाम के ही किसी दूसरे लाभार्थी के कार्ड को स्कैन कर नया कार्ड बना दिया जाता है।

कार्ड बनने के 12 घंटे बाद ही उससे खरीदारी हो सकती है। इसलिए कार्ड तभी बनाया जाता है, जब मरीज संबंधित अस्पताल में भर्ती हो जाता है। उपकरणों की खरीद व ऑपरेशन के बाद इसे निरस्त भी कर दिया जाता है। आम तौर पर यह कार्ड पांच से सात दिन ही सक्रिय रहता है। इसके बाद इसे निरस्त कर दिया जाता है। सीएमओ डॉ आशुतोष दुबे ने बताया कि इस तरह की कोई लिखित शिकायत मेरे पास आज तक नहीं आई है। किसी ने मनगढंत कहानी बताई होगी। अगर कोई इससे प्रभावित है तो वह लिखित शिकायत व साक्ष्य प्रस्तुत करे, जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। आयुष्मान कार्ड से मरीजों को उपचार में काफी मदद मिलती है।

बियर की दुकान में डेढ़ लाख की चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। बेलघाट कस्बा स्थित बियर की दुकान का शटर बुधवार की रात में चोरों ने तोड़ दिया। अंदर काउंटर में रखा डेढ़ रुपए नगद और आधा दर्जन बोतल बियर चुरा ले गए। थाने से महज तीन सौ मीटर दूरी पर स्थित बियर की दुकान में चोरी होने से कस्बे के लोग चिंतित हैं। कस्बे में पुलिस पिकेट भी लगती है।

दुकान के मुनीब अवधेश मौर्य, रौनक अग्रहरि और दुकान के मालिक राम शब्द सिंह ने बताया कि दुकान में दो दिन की बिक्री का पैसा रखा हुआ था। एसओ नवनीत नागर ने बताया कि सूचना के आधार पर छानबीन की जा रही है।

अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता–गोरखपुर। उरुवा थाना क्षेत्र के वासदेवपुर (धुरियापार) में स्थित देशी शराब भट्टी से 25 मीटर पश्चिम दिशा में सड़क के बगल में स्थित चिलबिल के पेड़ नीचे एक व्यक्ति की गुरुवार को दोपहर बाद तीन बजे संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

मौके पर जुटे लोगों ने उसकी पहचान बेलघाट थाना क्षेत्र के जितवारपुर निवासी पुरुषोत्तम विश्वकर्मा (45) पुत्र जलेश्वर विश्वकर्मा के रूप में की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष उरुवा कमलेश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मौत की असली वजह पता चलेगी।

पहले दिन बच्चों को लगाएंगे टीका, करेंगे स्वागत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। ग्रीष्म अवकाश के बाद 28 जून से परिषदीय विद्यालय खुलेंगे। इससे पहले शिक्षकों को 25 से 27 जून तक विद्यालय खोलकर साफ–सफाई कराकर छात्र–छात्राओं के अनुकूल वातावरण बनाने का निर्देश जारी किया गया है। जबकि 28 जून को विद्यालय खुलने पर चाइल्ड फ्रेंडली वातावरण सृजित कर छात्र–छात्राओं का स्वागत रोली और टीका लगाकर किया जाएगा और पहले दिन मध्याह्न भोजन योजना के तहत बच्चों को हलवा और खीर खाने को मिलेगा। परिषदीय विद्यालयों में गर्मी की छुट्टियां 18 जून को समाप्त हो रही थीं। लेकिन,भीषण गर्मी को देखते हुए इसे एक सप्ताह आगे बढ़ा दिया गया है। विद्यालय 25 जून से खुलेंगे और सिर्फ शिक्षक–कर्मचारी स्कूल आएंगे। बेसिक शिक्षा विभाग ने निर्देश दिए हैं कि स्कूल को खोलकर क्लास रूम व लाइब्रेरी की साफ–सफाई, पानी की टंकी, किचेन, शौचालय आदि की व्यवस्था दुरुस्त की जाएगी। वहीं 28 जून से जब बच्चे आएंगे तो शुरू के दो दिन 28–29 जून को समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इसमें बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने वाली गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसमें अभिभावकों को भी बुला सकते हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने निर्देश दिया है कि इस दौरान डीबीटी की तैयारी पूरी की जाए। इसी क्रम में 28 जून से 15 जुलाई तक स्कूल चलो अभियान फिर से चलाया जाए।

देवेंद्र कुमार पांडेय, बीएसए ने कहा कि ग्रीष्मवकाश के बाद परिषदीय विद्यालयों को 25 जून से खोलने के निर्देश मिले हैं, पर बच्चे नहीं आएंगे। बच्चों को 28 जून से स्कूल आने के लिए कहा गया है। स्कूल खुलने के तीन दिन तक साफ–सफाई समेत अन्य तैयारियों के लिए निर्देशित किया गया है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शुभांगी श्रीवास्तव पुत्री श्री शैलेन्द्र श्रीवास्तव मोहल्ला बेलवाडाडी पोस्ट– गांधीनगर थाना कोतवाली तहसील व जिला बस्ती की निवासिनी हूं। मेरा UP DELED 2017 चतुर्थ सेमेस्टर अनुक्रमांक 19415601410 जो DMS शिक्षण, प्रशिक्षण संस्थान प्लाट नम्बर 7 NH 28 संसारीपुर से निर्गत है, वास्तव में खो गया है।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com